हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 72, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 सितम्बर, 2022 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

भीषण नाव हादसा: अलीशा का भी शव मिला, सभी सातों शव बरामद

गाजीपुर में घटी घटना से लोग हतप्रभ, शव देख फफक पड़े परिजन

प्रखर गाजीपुर। जिले में नौका हादसे में मृत लोगों का जहां गुरुवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया वहीं लापता लोगों की तलाश सुबह भी जारी रही। मगर बाढ़ के पानी में लोगों की तलाश में काफी मुश्किल भी आ रही है। हालांकि, प्रशासन का दावा है कि तलाश व्यापक स्तर पर जारी है।

रेवतीपुर गांव अठहठा के पास नाव हादसा में सुबह आठ बजे से दोबारा राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। जिसमें पांच लापता लोगों ने दो किशोर का शव पानी से निकाला गया जिसमें अमित पासवान पुत्र विजय शंकर (8) और सत्यम गौड़ पुत्र डब्लू (15) का शव पहले मिल गया। वहीं थोड़ी ही देर बाद संध्या पुत्री अनिल पासवान (8) और खुशहाल पुत्र दयाशंकर (11) का भी शव मिला गया। वहीं दोपहर तक अलीशा का भी शव बरामद कर लिया गया। इस प्रकार बुधवार को दो और गुरुवार को पांच शव मिलाकर कुल साल शव बरामद होने के बाद राहत और बचाव कार्य बंद कर दिया गया। जबकि बुधवार को ही डबलू गोंड़ और नगीना पासवान का शव बरामद कर लिया गया था। जबकि नाविक तैर कर किनारे आ गया था। अठहठा गांव से बाजार कराने नौली गई 30 लोगों से भरी इंजन चालित नाव लौटते समय कुछ ही दूरी पर ओवरलोड के कारण पलट गई। इसमें सवार दो की मौत हो गई हैं, वहीं पांच मासूम बच्चों की अभी भी तलाश चल रही है।

नाविक ने तैर कर किसी तरह अपनी जान बचा ली। इसके अलावा 22 लोगों को स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से बचा लिया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया और देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। देर शाम जिलाधिकारी एमपी सिंह और पुलिस अधीक्षक रोहन पी. बोत्रे पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली। गंगा में आई बाढ़ के कारण अठहठा गांव चारों तरफ से घिर गया है, जिससे अन्य गांवों से उसका संपर्क कट गया है। ऐसे में गांव के लोग नाव से ही बाहर आ और जा रहे हैं। बुधवार को प्रशासन द्वारा लगाई गई इंजन चालित छोटी नाव खड़ी थी। देर शाम इसी नाव पर सवार होकर गांव के करीब 30 लोग जिसमें 15 पुरूष, 10 महिला और पांच बच्चे पास के ही गांव नौली बाजार करने गए थे। यहां से बाजार कर सभी करीब साढ़े चार बजे सायं लौट रहे थे। नाविक सभी लोगों को लेकर चला ही था कि कुछ ही दूरी पर नाव ओवरलोड होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई।

नाव की सवारी पड़ी भारी : नाव में सवार सभी लोगों ने संभलने का प्रयास किया, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण सभी डूबने लगे। नाविक राम सिंह मल्लाह तैर कर अपनी जान बचा ली। दो शव बुधवार को बरामद कर लिए गए तो देर रात तक इनकी खोजबीन चलती रही। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक रोहन पी. बोत्रे मौके पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी लेने के साथ ही मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

गांव के नजदीक हादसा : अठहठा काफी छोटा गांव है। गांव में आने-जाने के लिए तीन रास्ते हैं, लेकिन सभी मार्ग पर पानी भर जाने के कारण अन्य गांवों से इसका संपर्क टूट गया है। लोगों को आने-जाने के लिए प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई है। अठहठा गांव से बाजार की दूरी मात्र करीब दो सौ मीटर है, लेकिन बीच की गहरी खाई ने कईयों को अपनों से काफी दूर कर दिया। आमने-सामने एक-दूसरे को देख रहे लोगों को यकीन भी नहीं हो पा रहा है कि गांव के इतने नजदीक इतना बड़ा हादसा हो गया है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा की जमानत रद्द करने की मांग, लखनऊ बेंच में होगी सुनवाई

लखनऊ। हत्या के एक मामले में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी को मिली जमानत को निरस्त करने की मांग करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। यह प्रार्थना पत्र दो सितंबर को सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि अजय मिश्रा उर्फ टेनी की दोषमुक्ति के खिलाफ दाखिल राज्य सरकार की अपील की सुनवाई में उनकी ओर से सहयोग नहीं किया जा रहा है। इसलिए टेनी के बॉन्ड को निरस्त किया जाए। वहीं इस मामले में अजय मिश्रा की ओर से दाखिल स्थानांतरण प्रार्थना पत्र को मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने खारिज कर दिया है। प्रार्थना पत्र में उनके खिलाफ दाखिल इस अपील को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से प्रधान पीठ इलाहाबाद स्थानांतरित किए जाने की मांग की गई थी। प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि अजय मिश्रा के वकील गोपाल चतुर्वेदी प्रयागराज में रहते हैं और अधिक उम्र के कारण लखनऊ आकर बहस नहीं कर सकते। मुख्य न्यायमूर्ति ने इसे पर्याप्त आधार न मानते हुए प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

एक आदेश दो कि कोई मुसलमान नहीं रहेगा यूपी में मदरसों के सर्वे पर भड़के ओवैसी

हैदराबाद/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे का फैसला लिया है। सरकार के इस निर्णय पर विवाद भी छिड़ गया है और असदुद्दीन ओवैसी भी इसमें कूद गए हैं। योगी सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि ऐसा ही है तो फिर आदेश जारी करना चाहिए कि अब कोई मुसलमान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का यह फैसला मनमाना है और मुसलमानों को शक की नजर से देखने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह छोटा एनआरसी जैसा फैसला है।

ओवैसी ने कहा कि सरकार जिन मदरसों को कोई मदद नहीं देती है, उनकी जांच कराने का हक उसके पास नहीं है। ओवैसी ने कहा, 'निजी मदरसों से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। उनका सर्वे आखिर सरकार क्यों करा रही है। मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त संस्थानों को ही सरकार मदद देती है और उनकी ही जांच करा सकती है।' हैदराबाद के सांसद ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 30 के तहत अल्पसंख्यकों को अपने संस्थान चलाने का हक है। उन्होंने कहा कि यह सर्वे नहीं है बल्कि छोटा एनआरसी है। वहीं इस पर विवाद छिड़ने के बाद योगी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने सरकार का मकसद बताया है कि आखिर क्यों मदरसों के सर्वे का फैसला लिया गया है। दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि हम यह सर्वे इसलिए करना चाहते हैं ताकि छात्रों की संख्या पता हो। किसी भी तरह का डेटा हमारे सामने होगा, तभी तो हम योजनाओं को आसानी से तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में एसपी और बीएसपी की ओर से भ्रम फैलाया जा रहा है। गौरतलब है कि यूपी में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे करवाया जाएगा। इसके लिए शासन के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि 10 सितम्बर तक इस सर्वे के लिए टीम गठित की जाएगी, जिसमें संबंधित तहसील के उप जिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शामिल होंगे। यह सर्वे 5 अक्टूबर तक पूरा होना है और सरकार के पास 25 अक्टूबर तक यह डेटा जाएगा।

सर्वे में बिना मान्यता के मदरसों की स्थापना का वर्ष, भूमि का विवरण, भवन की स्थिति, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की संख्या, पाठ्यक्रम, आय का स्त्रोत आदि की डिटेल होगी। मदरसों का सर्वे कराकर इन मदरसों का सम्पूर्ण विवरण प्राप्त किया जाएगा, जिससे मालूम हो सकेगा कि प्रदेश में कुल कितने प्रकार के मदरसे हैं। दानिश आजाद ने कहा कि यह एक सर्वे है. ताकि विवरण हासिल हो सके। इसे किसी भी प्रकार की जांच ना समझा जाए।

भारत सरकार का बड़ा फैसला, वायु सेना में मिराज व जगुआर की जगह लेगा स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस

नई दिल्ली। स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की सफलता को देखते हुए भारत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट कमेटी आन सिक्योरिटी ने बुधवार को एलसीए

मार्क 2 लड़ाकू विमान के अधिक प्रभावी माडल के विकास को मंजूरी दे दी है। अब यह विमान मिराज 2000, जगुआर और भारतीय वायु सेना में मिग-29 लड़ाकू विमान की जगह लेगा। एलसीए मार्क 2 लड़ाकू विमान विकास परियोजना को सरकार ने मंजूरी दे दी है। इससे डिजाइनरों के लिए एक उन्नत 17.5 टन एकल इंजन विमान विकसित करने का रास्ता खुल गया है। एयरोनाटिकल डेवलपमेंट एजेंसी प्रमुख गिरीश देवधरे ने समाचार एजेंसी एएनआइ को प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए कहा कि नए विमानों का विकास 2027 तक पूरा किया जाएगा। देवधर ने कहा कि परियोजना को एलसीए मार्क 1ए कार्यक्रम में हुई प्रगति से लाभ मिलेगा और पांचवीं पीढ़ी के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान परियोजना के विकास में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रोटोटाइप के विकास को मंजूरी दे दी है, जिनमें से पहला एक साल में शुरू होने की संभावना है। यह परियोजना व्यापक उड़ान परीक्षणों और अन्य संबंधित कार्यों के बाद वर्ष 2027 तक पूरी होने वाली है। DRDO के अनुसार यह विमान एवियोनिक्स और क्षमताओं के मामले में राफेल विमान की श्रेणी का होगा, लेकिन वजन में हल्का होगा। सरकार ने यह भी मंजूरी दे दी है कि विमान में इस्तेमाल होने वाले इंजन प्रारंभिक विकास चरण के बाद मेड इन इंडिया होने चाहिए। DRDO इस नए विमान को GE-414 इंजन के साथ विकसित करेगा जो GE-404s का उन्नत संस्करण है जो मौजूदा LCA और 83 LCA मार्क 1As को अधिक शक्ति देगा, जो अगले कुछ वर्षों में IAF में शामिल होना शुरू हो जाएगा।

हम लड़ेंगे सामाजिक न्याय की लड़ाई, सेना में हो अहीर रेजीमेंट का गठन : शिवपाल यादव

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ी तैयारी में लगे प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने गुरुवार को लखनऊ में मीडिया के साथ अपनी योजनाओं को साझा किया। बिहार और उत्तर प्रदेश में यादवों का सबसे बड़ा नेता बनने की होड़ के बीच में शिवपाल सिंह यादव ने बड़ा दांव चला है। शिवपाल सिंह यादव और डी पी यादव ने यादव समुदाय के लिए एक नए संगठन के गठन की घोषणा की है। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हम यहां यदुवंश पुनर्जागरण मिशन के तहत एकत्रित हुए हैं। आज समाज के सभी पिछड़े लोग परेशानियों का सामना कर रहे हैं। हम सब मिलकर सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे। इसका विस्तार पूरे देश में करेंगे। हम किसी भी पार्टी का समर्थन या विरोध नहीं करेंगे। सामाजिक न्याय की लड़ने के लिए यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के अध्यक्ष डीपी यादव के साथ हाथ मिलाने वाले शिवपाल सिंह यादव ने भारतीय सेना में अहीर रेजीमेंट के गठन की भी मांग की है। इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। आज हम डीपी यादव के साथ यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के तहत एकजुट हुए हैं। आज समाज में अगड़े पिछड़े सभी परेशानी है। यह संगठन किसी की खिलाफत के लिए नहीं बना है। हमने जोड़ने के लिए यह संगठन बनाया है। आज समाज में अगड़े पिछड़े सभी परेशान हैं। यह लोगों के अधिकारों के लिए लड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम अहीर रेजिमेंट के गठन की मांग करेंगे। प्रसपा की बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकारणी गठित करेंगे। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के कार्यालय में शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव के खिलाफ जरा भी नहीं है। वह अपना काम कर रहे हैं और हम अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि संगठन किसी की खिलाफत के लिए नहीं बना रहे हैं।

निजी कंपनी के सात कर्मचारियों ने एक साथ खाया जहर, नौकरी से निकाले जाने के चलते उठाया कदम

इंदौर। इंदौर के परदेसी पुरा थाना क्षेत्र के पास स्थित एक निजी कंपनी में काम करने वाले सात कर्मचारियों ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार कर्मचारियों ने गुरुवार सुबह आत्महत्या करने की नियत से एक साथ जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

बताया जा रहा है कि कंपनी ने हाल ही में सातों कर्मचारियों को काम से निकाल दिया था, जिसके चलते उन्होंने ये कदम उठाया। फिलहाल सभी कर्मचारियों को इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां इलाज जारी है। आत्महत्या करने वालों में जमनाधर विश्वकर्मा, दीपक सिंह, राजेश मेमियोरिया, देवीलाल करेडिया, रवि करेड़िया, जितेंद्र धमनिया, शेखर वर्मा शामिल हैं। घटना के बाद से कंपनी मालिक रवि बाफना और पुनीत अजमेरा लापता हैं। फिलहाल परदेसी पुरा पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार सभी की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, मरीजों के परिजनों का कहना है कि कंपनी मालिक ने नई कंपनी खोली है और निकाले गए कर्मचारियों को उस नई कंपनी में काम देने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। दबाव में इन्होंने यह कदम उठाया। कंपनी के एक कर्मचारी ने कहा कि मालिक ने हमें बुधवार को पुरानी कंपनी से निकालकर बाणगंगा स्थित दूसरी कंपनी में काम करने जाने के लिए कहा और न जाने पर कहा कि चाहो तो छुट्टी बना लो। हमारी जगह काम करने के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता से नए लोगों को लाया गया और हमें नौकरी से निकाल दिया। हम सभी लोगों ने तय किया कि अब किसी के घर चल नहीं सकेंगे, इसलिए हमने ये कदम उठाया। उप निरीक्षक अजय सिंह कुशवाहा थाना परदेशी पुरा ने बताया कि अस्पताल से सात लोगों के जहर खाने की सूचना मिली थी, जानकारी के अनुसार मालिक द्वारा सभी सातों लोगों को कई महीने से सैलरी नहीं मिली थी और इन्हें दूसरी कंपनी में शिफ्ट किया जा रहा था।

'दाऊद का ठिकाना बताओ और 25 लाख रुपये नकद इनाम पाओ' एनआईए की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके 'डी' कंपनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए नकद इनाम राशी देने की घोषणा की है। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के लिए एनआईए ने 25 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। ठक्अ के मुताबिक दाऊद इब्राहिम का गिरोह हथियार, विस्फोटक, ड्रग्स और नकली भारतीय मुद्रा नोट की तस्करी के लिए भारत में इकाई की स्थापना करने की कोशिश में लगा है और पाकिस्तानी एजेंसियों और आतंकी संगठनों के साथ मिलकर आतंकी हमले करने की फिराक में है। जांच एजेंसी ने इब्राहिम के करीबी शकील शेख उर्फ छोटा शकील पर 20 लाख रुपये और हाजी अनीस उर्फ अनीस इब्राहिम शेख, जावेद पटेल उर्फ जावेद चिकना और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल रज्जाक मेमन उर्फ टाइगर पर 15-15 लाख रुपये का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। ये सभी 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में वांछित आरोपी हैं। अधिकारी ने कहा कि एनआईए ने उनके बारे में जानकारी मांगी है जिससे उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। एजेंसी ने फरवरी में 'डी कंपनी'

के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि दाऊद इब्राहिम कास्कर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक आतंकवादी नामित किया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क चलाता है, जिसका नाम डी-कंपनी है, जिसमें अनीस इब्राहिम शेख, छोटा शकील, जावेद चिखना और टाइगर मेमन जैसे उसके करीबी सहयोगी शामिल हैं।

गुलाम नबी आजाद से भूपेंद्र हुड्डा की मुलाकात पर भड़कीं कुमारी सैलजा, आलाकमान से की शिकायत

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा की गुलाम नबी आजाद से मुलाकात पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम पार्टी के रैंक और फाइल को भ्रमित और निराश करता है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य और पार्टी की हरियाणा इकाई की पूर्व अध्यक्ष शैलजा ने राज्य में विपक्ष के नेता हुड्डा के खिलाफ पार्टी आलाकमान में शिकायत दर्ज कराई है और कारण बताओ नोटिस की भी मांग की है। वहीं इस मामले में हुड्डा ने कहा कि जहां तक आजाद साहब से मुलाकात का सवाल है, हम बरसों से एक ही पार्टी में थे और हमने कुछ मांगें रखी थीं। उन मांगों को स्वीकार कर लिया गया और पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव हो रहे हैं। फिर भी, उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। हमने उनसे कारण पूछा लेकिन कोई कड़वाहट नहीं थी।

हुड्डा के अलावा, जी-23 के दो अन्य सदस्यों आनंद शर्मा और पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को आजाद से उनके दिल्ली आवास पर मुलाकात की। शैलजा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हरियाणा प्रभारी विवेक बंसल समेत पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के समक्ष यह मामला उठाया है। शैलजा ने गुरुवार को कहा कि हुड्डा ऐसे वक्त में आजाद से मिलने जा रहे हैं, जब उन्होंने पार्टी छोड़ दी, नेतृत्व को दोषी ठहराया और हमारे नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी भी की। इसने पार्टी को निराश किया। आजाद ने पार्टी छोड़ दी तो उनके घर जाने का क्या मतलब है। हुड्डा की कट्टर विरोधी मानी जाती शैलजा ने पार्टी आलाकमान को बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री को कांग्रेस की राज्य इकाई के मामलों को चलाने के लिए खुली छूट दी गई थी लेकिन यह स्वीकार्य नहीं है। हुड्डा जी-23 नेताओं के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अगस्त 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में सभी स्तरों पर संगठनात्मक बदलाव और चुनाव की मांग की थी। उन्होंने शर्मा और चव्हाण के साथ जी-23 की भविष्य की रणनीति के बारे में आजाद के साथ चर्चा की थी। कांग्रेस ने अप्रैल में कुमारी शैलजा को हटाकर पूर्व विधायक और हुड्डा के वफादार उदय भान को हरियाणा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। शैलजा को बाद में सीडब्ल्यूसी सदस्य बनाया गया था।

आंगनबाड़ी केंद्र का ताला बंद देख भड़के डिप्टी सीएम , जिम्मेदारों को लगाई फटकार

गोंडा। जिले के दौरे पर आए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इटियाथोक के संझवल गांव में बने अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने सरोवर के किनारे मेला लगाने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। अमृत सरोवर का निर्माण बलिदानी विश्वनाथ तिवारी की स्मृति में कराया गया है। डिप्टी सीएम ने बलिदानी की बेटी रेखा तिवारी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बलिदानी ने भारत देश का नाम रोशन करते हुए मुल्क की रक्षा के लिए अपनी जान गंवा दी। आपका सौभाग्य है कि बलिदानी का जन्म आपके गांव में हुआ था। अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनके परिवार की देखभाल करें। उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। डिप्टी सीएम ने ग्राम पंचायत करुआपारा में तालाब, स्कूल व पाइप लाइन परियोजना का निरीक्षण किया। पानी की टंकी चालू करने के लिए कहा तो प्रधान ने बिजली न होने की बात कही। आंगनबाड़ी केंद्र में ताला बंद होने पर डिप्टी सीएम ने नाराजगी जताई। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत पारासराय में पंचायत भवन का निरीक्षण किया। विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी ने डिप्टी सीएम को बुके भेंटकर उनका स्वागत किया। डिप्टी सीएम के दौरे को लेकर जिला अस्पताल का दृश्य बदला हुआ नजर आ रहा है। परिसर में साफ-सफाई के साथ ही अन्य इंतजाम किए गए हैं।

जनप्रतिनिधि व अफसरों संग करेंगे बैठक : डिप्टी सीएम सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों के साथ ही अफसरों के साथ बैठक करके विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। विभागवार अफसरों से प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। परेड सरकार में निमार्णाधीन मेडिकल कालेज व जिला अस्पताल में निरीक्षण करने बाद गांधीपार्क स्थित टाउनहाल में पोषण माह का शुभारंभ करेंगे।

संपादकीय

अपराध और सवाल

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अब तक कुछ अहम गिरफ्तारियां हुई हैं। इस हत्याकांड में शामिल दो निशानेबाज अपराधी पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे भी गए थे। जिन लोगों को पकड़ा गया, उन्हीं से मिली सूचनाओं के आधार पर पुलिस और जांच एजंसियां आगे बढ़ती रही हैं। जैसा कि पुलिस का दावा है कि इस हत्याकांड के पीछे सक्रिय गिरोहों का पता तो लग चुका है, बस उनके सरगना तक पहुंचना बाकी है। चूंकि इस हत्याकांड की साजिश रचने वाले अपराधी दूसरे देशों में छिपे बैठे हैं, इसलिए इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस को इंटरपोल की भी मदद लेनी पड़ी है। इंटरपोल की मदद से ही हाल में एक आरोपी सचिन थापन बिश्नोई अजरबैजान में पकड़ा गया। उसे भारत लाने की कोशिशें चल रही हैं। यह निश्चित ही बड़ी कामयाबी है। लेकिन अभी भी इस कांड के तीन साजिशकर्ता गिरफ्त से बाहर हैं। जैसा कि बताया जा रहा है कि सचिन की गिरफ्तारी की भनक लगते ही कनाडा में छिपे लारेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई कनाडा से केन्या भाग गया। मूसेवाला को मारने की साजिश रचने वाले दो अन्य आरोपी गोल्डी बराड़ और लिपन नेहरा अभी कनाडा में ही छिपे हैं। मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी गोल्डी ने ही ली थी। मूसेवाला की हत्या पंजाब की कानून व्यवस्था पर किसी तमाचे से कम नहीं है। इससे यह साफ हो गया कि राज्य में गैंगवार संस्कृति फिर से सिर उठा रही है। यह घटना कोई सामान्य अपराध नहीं थी। मूसेवाला को मौत के घाट उतारने वाले हत्यारे विदेश में बैठे अपने आका के इशारे पर काम कर रहे थे। अगर पंजाब जैसे कड़ी सुरक्षा वाले राज्य में भी कनाडा, आर्मेनिया, केन्या जैसे देशों में बैठे सरगना अपनी गतिविधियां चला ले जा रहे हैं, लोगों से फिरौती वसूल रहे हैं और नहीं देने पर उनकी हत्या करवा दे रहे हैं, तो बेहद गंभीर बात है। पंजाब में अपराधी गिरोहों के टकराव भी कोई नई बात नहीं है। यह भी वर्षों से चल रहा है। माना जा रहा है कि राज्य में इस वक्त सत्तर आपराधिक गिरोह हैं जो हत्या, फिरौती, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे धंधों में शामिल हैं। ये आपराधिक गिरोह एक दूसरे के धंधे पर कब्जा करने के लिए आपस में भिड़ते रहते हैं। जेलों के भीतर भी गैंगवार की खबरें आती ही रही हैं। लेकिन सवाल इस बात का है जिन लोगों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ऐसे अपराधियों से निपटने की जिम्मेदारी है, वे आखिर करते क्या रहे हैं? अगर किसी राज्य में अपराधी गिरोह इस तरह सिर उठाते रहें तो इसका मतलब यही माना जाना चाहिए कि पुलिस नाम के तंत्र ने उनके सामने हथियार डाल दिए हैं और सरकार लाचार है। पंजाब पाकिस्तान सीमा से सटा राज्य है। इसलिए यह बेहद संवेदनशील है। इस राज्य ने लंबे समय तक आतंकवाद की मार झेली है। हालांकि राज्य में अब आतंकवाद पहले जैसा नहीं रह गया है, लेकिन अब यह राज्य सबसे ज्यादा नशीले पदार्थों की खपत वाला बन गया है। यहां की नौजवान पीढ़ी नशे की गिरफ्त में है। ये सब बातें और घटनाएं पंजाब की सरकार और पुलिस को कठघरे में इसलिए खड़ा करती हैं कि एक सशक्त तंत्र होने का दावा करने के बावजूद अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए यह सवाल क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए कि आखिर पंजाब नशाखोरी का बड़ा केंद्र कैसे बन गया? कैसे आपराधिक गिरोह और बंदूक संस्कृति पनपती चली गई और पुलिस, खुफिया तंत्र और सरकारें चाहे वर्तमान सरकार हो या पिछली सरकारें, आखिर क्या करती रहीं?

देना उनको घेर !

हो रही तैयारी ।
देना उनको घेर ।।
होंगे जल्द लामबंद ।
ना करेंगे देर ।।
है लाना बदलाव ।
देना भी परिणाम ।।
ठाना हमने जिसको ।
हो के रहेगा काम ।।
है शुरूआती दौर ये ।
हंसो न हम पर यार ।।
सुलझा लेंगे सब कुछ ।
ना कोई तकरार ।।
तय मिलना है फल ।
और निकलना हल ।।
ना लगाना प्रश्न चिन्ह ।
है चमकीला कल ।।

-कृष्णेन्द्र राय

राजनीति में उलझे नदी विवाद

भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है।

देश में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की स्वीकृति एक अच्छी शुरूआत मानी जा रही है। लेकिन अन्य नदियों को परस्पर जोड़ने वाली परियोजनाओं पर राज्यों में सहमति बनना मुश्किल हो रहा है। जल शक्ति मंत्रालय ने कहा है कि गोदावरी-कृष्णा और कृष्णा-पेन्नार-कावेरी नदी जोड़ परियोजना के जल के उपयोग को लेकर व्यावहारिक सहमति राज्यों के बीच नहीं बन पा रही है। राज्य अधिशेष पानी के हस्तांतरण और आबंटन से जुड़े जटिल मुद्दों पर सहमत नहीं हैं। इसी तरह पार-ताप्ती-नर्मदा परियोयना पर महाराष्ट्र और गुजरात ने आगे काम करने से इनकार कर दिया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस योजना के तहत राष्ट्रीय जल विकास एजंसी (एनडब्ल्यूडीए) ने व्यावहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीस अंतरराज्यीय नदियों की पहचान की है। इनमें प्रायद्वीपीय घटक के रूप में सोलह और हिमालयी घटक के रूप में चौदह नदी जोड़ परियोजनाओं के प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें से आठ परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है, जबकि अन्य पर काम चल रहा है। भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है।

कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवनरेखा मानी जाने वाली कावेरी नदी के जल को लेकर देश के दो बड़े राज्यों में हिंसा और आगजनी की घटनाएं देखने को मिलती ही रही हैं। जबकि कावेरी दोनों राज्यों के करोड़ों लोगों के लिए वरदान है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते कर्नाटक और तमिलनाडु की जनता के बीच केवल आगजनी और हिंसा के ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक टकराव के हालात भी पैदा होते रहे हैं। कहना न होगा कि कर्नाटक में जल विवाद के सामने आते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने क्षेत्रीय मानसिकता से काम लेते हुए इस मुद्दे को भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लड़ाई जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियों व जनता को एकजुट होना होगा। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी नाराजगी जताते हुए देवगौड़ा ने कहा था कि तमिलनाडु के किसान एक साल में तीन फसल उगा रहे हैं, जबकि कर्नाटक के पास एक फसल के लिए भी पानी नहीं है। ऐसे में उन्हें पानी देना कैसे संभव है। इसके विरोध में हमें तमिलनाडु के लोगों की तरह एकजुट होना होगा। जाहिर है, अगर हमारे राजनेता ही किसी विवाद को सुलझाने की बजाय क्षेत्रीयता के आधार पर लोगों को उकसाने की बात करते रहेंगे, तो समाधान कैसे निकलेगा! ऐसी ही एक पक्षीय धारणाओं की वजह से कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद सवा सौ साल से बना हुआ है।

दक्षिण भारत की गंगा मानी जाने वाली कावेरी नदी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु में बहने वाली जीवनदायी सदानीरा नदी है। यह पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरि पर्वत से निकली है। यह आठ सौ किलोमीटर लंबी है। इसके आसपास के दोनों राज्यों के हिस्सों में खेती होती है। तमिल भाषा में कावेरी को ह्यपोन्नीह्न कहते हैं। पोन्नी का अर्थ सोना उगाना है। दोनों राज्यों की स्थानीय आबादी में ऐसी लोकमान्यता है कि कावेरी के जल में धूल के कण मिले हुए हैं। इस लोकमान्यता को हम इस अर्थ में ले सकते हैं कि कावेरी के पानी से जिन खेतों में सिंचाई होती है, उन खेतों से फसल के रूप में सोना पैदा होता है। इसीलिए यह नदी कर्नाटक और तमिलनाडु की कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूलाधार है।

जल बंटवारे को लेकर सन 1892 और 1924 में मैसूर राज्य व मद्रास प्रेसीडेंसी (वर्तमान तमिलनाडु) के बीच समझौते हुए थे। आजादी के बाद मैसूर का कर्नाटक में विलय हो गया। इसके बाद से कर्नाटक को लगने लगा कि मद्रास प्रेसीडेंसी पर अंग्रेजों का प्रभाव अधिक था, इसलिए समझौता मद्रास के पक्ष में किया गया है। लिहाजा वह इस समझौते को नहीं मानता है। जबकि तमिलनाडु का तर्क है कि पूर्व समझौते के मुताबिक उसने ऐसी कृषि योग्य भूमि विकसित कर ली है, जिसकी खेती कावेरी से मिलने वाले सिंचाई जल के बिना संभव ही नहीं है। इस बावत 1986 में तमिलनाडु ने विवाद के निपटारे के लिए केंद्र सरकार से एक पंचाट बनाने की मांग की। नदी विवाद जल अधिनियम के तहत 1990 में पंचाट बनाया गया। इस पंचाट ने कर्नाटक को आदेश दिया कि तमिलनाडु को चार सौ उन्नीस अरब क्यूसेक फीट पानी, केरल को तीस अरब और पांडिचेरी को दो अरब क्यूसेक पानी दिया जाए। किंतु कर्नाटक ने इस आदेश को मानने से इनकार करते हुए कहा कि कावेरी पर हमारा पूरा हक है, इसलिए हम पानी नहीं देंगे। उधर, कर्नाटक का तर्क है कि अंग्रेजों के शासनकाल में कुर्ग मैसूर रियासत का हिस्सा था और तमिलनाडु मद्रास प्रेसीडेंसी के रूप में फिरंगी हुकूमत का गुलाम था। ऐसे में 1924 के फैसले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि अभी भी पंचाट के इसी फैसले और अदालत के दबाव में कर्नाटक मजबूरीवश तमिलनाडु को पानी दे रहा है, लेकिन उसकी पानी देने की मंशा कतई नहीं है।

यह पानी कर्नाटक में कावेरी नदी पर बने कृष्ण-राजा सागर बांध से दिया जाता है। जबकि तमिलनाडु कावेरी के पानी पर ज्यादा हक की मांग इसलिए करता है, क्योंकि कावेरी का चौवन प्रतिशत बेसिन इलाका उसके क्षेत्र में है। कर्नाटक में बेसिन क्षेत्र बयालीस प्रतिशत है। इसी आधार पर प्राधिकरण ने तमिलनाडु को कावेरी के अट्ठावन प्रतिशत पानी का हकदार बताया था। लेकिन कर्नाटक केवल एक हजार टीएमसी पानी देने को तैयार है। नतीजतन विवाद कायम है। इसी तरह तमिलनाडु व केरल के बीच मुल्ला पेरियार बांध की ऊंचाई को लेकर भी विवाद गहराया हुआ है। तमिलनाडु इस बांध की ऊंचाई एक सौ बत्तीस फीट से बढ़ा कर एक सौ बयालीस फीट करना चाहता है, वहीं केरल इसकी ऊंचाई कम रखना चाहता है। इस परिप्रेक्ष्य में केरल का दावा है कि यह बांध खतरनाक है, इसीलिए इसकी जगह नया बांध बनना चाहिए। जबकि तमिलनाडु ऐसे किसी खतरे की आशंका को सिरे से खारिज करता है। इसी तरह पांच नदियों वाले प्रदेश पंजाब में रावी और ब्यास नदी के जल बंटवारे पर पंजाब और हरियाणा पिछले कई दशकों से अदालती लड़ाई लड़ रहे हैं। इनके बीच दूसरा जल विवाद सतलुज और यमुना जोड़ का भी है। प्रस्तावित योजना के तहत सतलुज और यमुना नदियों को जोड़ कर नहर बनाने से पूर्वी व पश्चिमी भारत के बीच अस्तित्व में आने वाले जलमार्ग से परिवहन की उम्मीद बढ़ जाएगी। इस मार्ग से जहाजों के आवागमन से माल ढुलाई शुरू हो जाएगी। मसलन सड़क के समानांतर जलमार्ग का विकल्प खुल जाएगा। हरियाणा ने तो अपने हिस्से का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, लेकिन पंजाब को इसमें कुछ नुकसान नजर आया तो उसने विधानसभा में प्रस्ताव लाकर इस समझौते को ही रद्द कर दिया।

सृजन के समांतर संदर्भ

दुनिया में अनेक तरह की भाषाएं हैं। हर भाषा अपनी तरह से अद्वितीय है। हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा जन्म से ही मिलती है, जिसके साथ वह सहज महसूस करता है। उसके आसपास का माहौल, परिवार, समाज सब उसे जो भाषा सौंपते हैं या जिनसे वह भाषा या बोली अर्जित करता है, वही उसकी समझ से लेकर अभिव्यक्ति का माध्यम बनता है। दरअसल, भाषा और बोलियां अर्जित होते हुए भी मानव के व्यक्तित्व का वह अटूट हिस्सा है, जिनके बगैर मनुष्य बिल्कुल लाचार हो जाता है।

ऐसा जरूर होगा कि जब सभ्यता के विकास क्रम में मनुष्य अपने इतिहास में भाषा अर्जित करने के क्रम में होगा, तब भी कल्पना की कोई न कोई भाषा होती होगी। और इतिहास का दर्ज होना तो भाषा से ही संभव है। यह कोई नई बात नहीं है, लेकिन कहने का आशय यही है कि भाषा सभ्यता, संस्कृति और इतिहास सबकी वाहक है। भाषा के बगैर मानव और मानवता दोनों मूक है। अपने जैसा दिखता व्यक्ति भी उस पल पराया लगने लगता है, जब हम शब्दों के माध्यम से उससे जुड़ नहीं पाते। वहीं हमारी भाषा में बात करने वाला व्यक्ति बिल्कुल अलग दिखता हुआ भी अपना लगने लगता है। इसलिए भाषा के विकास का प्रवाह मनुष्य के लिए बेहद जरूरी पहलू रहा है।

इसमें संदेह नहीं कि भाषा संचार का एक माध्यम है, मगर इसके साथ ही साहित्य इस माध्यम से रचनात्मकता के साथ कही हुई बात है। फिर भी यह प्रश्न हमेशा ही विवाद में और कसौटी पर रहा है कि भाषा और साहित्य का वास्तविक संबंध कैसा है और उनके अनुपात पर साहित्य एवं भाषा का अस्तित्व और विकास कितना निर्भर करता है! इस संदर्भ में अज्ञेय को याद करें तो उन्होंने कहा कि शब्दों में भाषा केवल संप्रेषण की ही नहीं, दृष्टि की भी अभिव्यक्ति है। भाषा से हम जानना ही नहीं, सोचना भी सीखते है। यह मनुष्य की पहचान होती है और यह एकमात्र ऐसा जरिया है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने हृदय के भाव एवं मस्तिष्क के विचार दूसरों के समक्ष प्रकट करके समाज में पारस्परिक जुड़ाव बनाए रखता है। इस लिहाज देखें तो आधुनिक समाज और समूह बनने में भाषा की क्या भूमिका रही होगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। यह बाद के दिनों की बात है कि भाषा ने मनुष्य के बीच लगातार खुद को समृद्ध किया और और उसके बेहतर होने की कसौटियां भी तय होती गईं। उत्कृष्ट भाषा से ही साहित्य रचा जाता है। एक तरह से साहित्य एक भाषिक कला है। मनुष्य के भीतर विचार चाहे कितना भी आलोड़ित होते हैं, लेकिन साहित्य का जन्म भाषा के गर्भ से ही होता है। साहित्य में सृजनात्मकता व कलात्मकता की प्रमुखता के बावजूद भाषा की स्थिति गौण नहीं होती। आखिर किसी भी भाषा के शब्द ही रचना का रूप लेकर साहित्य बनते है। साहित्य भाषा से है तो किसी भी भाषा की समृद्धि भी साहित्य की ऊंचाई व गहराई से तय होती है। साहित्य और भाषा परस्पर पूरक बन एक दूसरे का परिमार्जन करते हुए समांतर चलते हैं। दरअसल, साहित्य और भाषा शब्द के ही अलग-अलग रूप हैं। भाषा की सामर्थ्य से ही कोई भाव, विचार, अनुभव, अनुभूति प्रत्यक्ष रूप से अभिव्यक्ति का रूप लेती है। यह मनुष्य की स्वभावगत विकासमान प्रवृत्ति को ही व्यक्त करता है।

मनुष्य जन्म लेते ही भाषा सीखने लगता है और अभिव्यक्ति के विभिन्न चरणों से गुजरते हुए विचार की दुनिया में भ्रमण करता है। वहां किसी बिंदु पर केंद्रित होकर विचार करने के बाद वह साहित्य की तरफ बढ़ता है। कह सकते हैं कि भाषा साहित्य का प्राकृत रूप है, तो साहित्य भाषा का परिष्कृत रूप। साहित्य भाषा से निकलकर भी भाषा में बहुत कुछ और जोड़ता चलता है, क्योंकि यह भाषा के नियम में बंधे वाक्यों का समूह भर नहीं होकर जीवंतता से लबरेज एक अलग सत्ता भी है जो अपने-आप में किसी एक भाषा को घोंट कर भी तमाम भाषाई विविधताओं को पार कर मनुष्य मात्र की संवेदना में स्वयं को समाहित करता है।

गीत

चलो ,उस, खिड़की से हम झांकें, जहां नजरों पे पहरा है। ----

जहां पंजों में जकड़ा जिस्म, जिसपर घाव गहरा है।।---

करुण चीत्कार जिसमें से,हर सुबह शाम आती है,-

जहां होंठों पर है कंपन काजल आंख का पसरा है।।च लो,उस, खिड़की से हम झांकें,

जहां नजरों पे पहरा है।।--1।।

जहां दम घूंटता अक्सर, आशा में निराशा है।।पराया तो पराया है, जहां अपनों से खतरा है।।

चलो उस खिड़की से हम झांकें जहां नजरों पे पहरा है।।--2।।

दर्दे दिल की सच्चाई, बयां करती तो है लेकिन,

सरस सुनता नहीं कोई लगता ,हर कोई बहरा है।--

चलो,उस, खिड़की से हम झांकें जहां नजरों पे पहरा है।।--3।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

आखिर कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर क्यों भाग रहे हैं अशोक गहलोत?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद म्यूजिकल चेयर बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द घूम रहा हैं। मगर सभी नेता अध्यक्ष बनने से इनकार कर रहे है। कांग्रेस पार्टी के हर बड़े नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। मगर राहुल गांधी अध्यक्ष बनने से लगातार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को साफ शब्दों में कह दिया है कि वह किसी भी सूरत में कांग्रेस अध्यक्ष बनना नहीं चाहते हैं। वह बिना पद के ही पार्टी का काम करना चाहते हैं।

राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभालें। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं। जैसे ही कांग्रेसी हलकों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अशोक गहलोत का नाम आगे आया वैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया। गहलोत का कहना है कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मजबूत कर सकते हैं। उनका कहना है कि अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए थे। जिसका लाभ आने वाले समय में कांग्रेस को मिलेगा। गहलोत राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए 250 से अधिक बड़े नेताओं से समर्थन लेकर राहुल गांधी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत का कहना है कि मुझे राजस्थान की जिम्मेवारी मिली हुई है। जहां मेरा कार्यकाल बाकी है। अभी मैं राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहता हूं। गहलोत का कहना है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ ही गुजरात में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में वह अपनी दोनों जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाएं। अभी वह इसी मिशन में लगे हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालना उनके लिए अनुकूल नहीं है। यह सभी को पता है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही गहलोत तीन बार राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता और तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं।

बहुमत नहीं मिलने पर भी जोड़-तोड़ कर वह दूसरी बार सरकार बनाकर सफलतापूर्वक चला रहे हैं, ऐसे में वह किसी भी स्थिति में मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ना चाहते हैं। गहलोत को पता है कि यदि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर जयपुर से दिल्ली जाते हैं तो उनके स्थान पर कांग्रेस आलाकमान उनके कट्टर विरोधी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना सकता है। जो गहलोत किसी भी स्थिति में नहीं होने देना चाहते हैं। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है। दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा अपने स्तर पर दोनों नेताओं के मध्य सुलह करवाने के उपरांत भी दोनों नेताओं के मन अभी तक नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं चाहेंगे कि उनके बाद पायलट राजस्थान में मजबूत होकर अपने पैर जमा सकें।

गहलोत को पता है कि राजस्थान की राजनीति व दिल्ली की राजनीति में बड़ा फर्क है। राजस्थान की राजनीति को तो वह वर्षों से अपनी अंगुली पर नचा रहे हैं। मगर दिल्ली जाने के बाद ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। उनको पता है कि यदि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो पार्टी तो गांधी परिवार के नियंत्रण में रहेगी। ऐसे में वह मात्र कठपुतली बनकर रह जाएंगे। ऊपर से राजस्थान भी उनके हाथ से निकल जाएगा। अगले कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी। तब असफलता का ठीकरा उनके सर ही फूटेगा। गहलोत किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इसीलिए वह दिल्ली जाने के लिए आनाकानी कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की अपनी-अपनी वफादारों की मंडली है। जिन की सलाह पर यह नेता काम करते हैं। यदि गहलोत दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इन वफादार नेताओं की बातों को अनसुना करते हैं तो उन्हें उनकी साजिशों का शिकार होना पड़ेगा। और उनका दिल्ली की राजनीति में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। अभी गहलोत राजस्थान में जैसा चाहते हैं वैसा ही पार्टी करती है। राजस्थान के अधिकांश मंत्री व विधायक उनके ही वफादार हैं। राजनीतिक नियुक्तियों में भी ज्यादातर गहलोत समर्थकों को पदों से नवाजा गया है।

मीटर रीडरों ने भरी हुंकार, दिया 14 दिन का अल्टीमेटम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत वितरण खण्ड प्रथम लालदरवाजा प्रांगण में विद्युत मजदूर पंचायत के बैनर तले गाजीपुर के मीटर रीडरों ने प्रदेश के अतिरिक्त प्रांतीय महामंत्री निर्भय सिंह के नेतृत्व में बैठक किया ।जिसमें मीटर रीडरों की समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा किया गया। वही जिले में हो रहे मीटर रीडरों के शोषण के खिलाफ निर्भय सिंह ने बताया कि जिले में सभी मीटर रीडरों की हालात बहुत खराब है स्टर्लिंग कंपनी द्वारा इन गरीब मजदूरों का आर्थिक एव मानसिक रूप से शोषण कर रही है जिसमे कही ना कही प्रबंधन का भी झुकाव कंपनी के तरफ है और ये दोनों मिलकर इन गरीब मजदूर भाइयों का शोषण कर रही है।वही रिडिंग का कार्य लगभग 9 माह से करवा रही मेसर्स स्टर्लिंग टेक्नोलॉजी ने अभी तक किसी भी रीडर एव सुपरवाइजर साथियों का पीएफ में पैसा नही डाली सिर्फ खाता खोलकर लॉलीपॉप दे रही है और ईएसआई कार्ड अभी तक किसी को नही मिला नाहि श्रम विभाग के मुताबिक इनलोगो को न्यूनतम मजदूरी मिल रहा है सिर्फ दो हजार से तीन हजार रुपया

प्रतिमाह दिया जा रहा है और प्रबंधन मूकदर्शक बना हुआ है इससे यह साबित होता है कि इन गरीब मजदूरों का पैसा इन रसूख अधिकारियों एव कंपनी के दलालों के खाते में जा रहा है यही नही पिछले साल एनसॉफ्ट कम्पनी सभी रीडरों का 15 हजार का डीडी लेकर भाग गयी और एक माह की सैलरी भी नही दी और प्रबंधन खामोश रहा। जिसमे विद्युत मजदूर पंचायत ने माननीय मुख्यमंत्री जी एव प्रमुख सचिव ऊर्जा से लिखित शिकायत जल्द ही करेगा और रीडरों को न्याय दिलवाएगा। वही मीटर रीडर संघ के जिलाध्यक्ष विनय तिवारी ने बताया कि हमलोग बैठक किये हैं और 17 बिंदुओं पर चर्चा किये एव एजेंडा तैयार करके विद्युत मजदूर पंचायत के जिला संरक्षक शिवदर्शन सिंह के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष अरविंद कुशवाहा एव जिला मंत्री विजयशंकर राय के साथ अधीक्षण अभियंता को पत्रक देते हुवे 14 दिन का समय दिया गया समस्याओं का निदान करने के लिए अगर 14 दिन के अंतर्गत सभी मांगे पूरी नही होती है तो संगठन के दिशा निर्देश पर पूर्ण रूप से जिले में रिडिंग का कार्य बहिष्कार होगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बैठक में मुख्य रूप से सुपरवाइजर शशिकांत भारती, कृष्कान्त सिंह,अनिल श्रीवास्तव, जवाहर पटवा, हरेंद्र खरवार, प्रमोद यादव, शिवशंकर,जीएमटी प्रवीण सिंह, संजय यादव,अश्विनी सिंह, अजय विश्वकर्मा,सलीम अंसारी सहित समस्त मीटर रीडर एव विद्युत कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

ट्रेनों के ठहराव को लेकर समाजसेवी अजीत पहुंचे दिल्ली दरबार

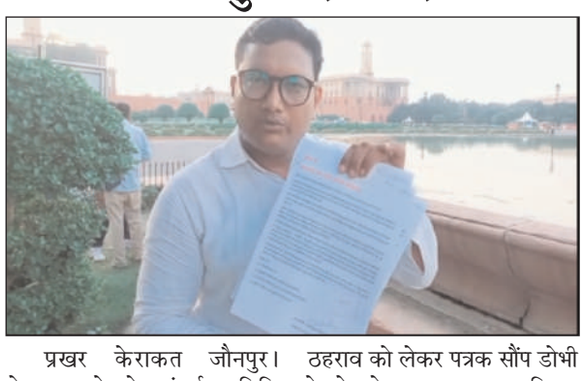

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत रेलवे संघर्ष समिति केराकत रेलवे स्टेशन पर नौ ट्रेनों के ठहराव को लेकर आगामी 20 सितंबर को आमरण अनशन करने जा रहा है तो डोभी रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेनों के ठहराव को लेकर बोडसर निवासी समाजसेवी अजीत सिंह ने क्षेत्रवासियों से अपील कर डोभी की जनता से समर्थन मांग रहे है पिछले एक सप्ताह से दो पोस्टर सोसल मीडिया पर वायरल होने से डोभी व केराकत के जनता के बीच ट्रेनो के ठहराव को लेकर चचाओं का माहौल गर्म है इसी बीच समाजसेवी अजीत सिंह दिल्ली पहुंच महामहिम,प्रधानमंत्री व रेलमंत्रालय कार्यालय में ट्रेनों के ठहराव को लेकर पत्रक सौंप डोभी रेलवे स्टेशन पर आरक्षण टिकट घर,सुहेलदेव एक्सप्रेस अप एंड राउंड ट्रेन,माता वैष्णो देवी जम्मू कटरा एंड डाउन ट्रेन व बरौनी गोंदिया अप एंड डाउन की मांग को उठाई।श्री अजीत सिंह ने राष्ट्रपति भवन के सामने खड़े होकर डोभी वासियों को एक वीडियो जारी कर संदेश दिये की आपका मुद्दा दिल्ली के दरबार में पहुंच चुका है जिसके बाद सोसल मीडिया पर चचाओं का माहौल गर्म हो उठा।बहरहाल ट्रेनों के ठहराव को लेकर 3 सितंबर को होने वाली डीआरएम की बैठक में तय किया जायेगा किस स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

रिटायर हुए होमगार्ड को चौकी प्रभारी ने दी विदाई

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। स्थानीय चौकी परिसर पर तैनात होमगार्ड भोला पाल को सेवा समाप्ति के उपरांत नगर चौकी प्रभारी सदानंद सिंह समेत पुलिस कर्मियों व होमगार्ड के जवानों ने भावभीनी विदाई दी सर्वप्रथम चौकी प्रभारी ने होमगार्ड भोला पाल को अंगवस्त्रम एवं माल्यार्पण कर उपहार स्वरूप छाता एवं कपड़े देकर उनको विदा किया। उपस्थित रहने वालों में विंध्याचल कुशवाहा, यशवंत यादव, गौतम, ड्राइवर कृष्ण मोहन राय, पीसी होमगार्ड दरोगा जगदीश, होमगार्ड हरिशंकर तिवारी, रामकिशोर, पन्नालाल, बाबू नंदन राजकुमार सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

धुरियापार चीनी मिल के वाचमैन की हत्या का आरोपित गिरफ्तार

प्रखर गोरखपुर। गोला धुरियापार चीनी मिल के वाच मैन की हत्या में गोला पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।भूपगढ़ के दहियक टोला निवासी राजेन्द्र गौड़ पुत्र गब्बू लाल (55) धुरियापार चीनी मिल में वाच मैन का काम करता है। वह सोमवार की शाम 7:30 बजे ड्यूटी कर सायकिल से घर आ रहा था। शकरदेईया के पास गांव के ही संगम सिंह पुत्र बैजनाथ के सायकिल से उसकी टक्कर हो गई। संगम सिंह की सायकल छतिग्रस्त हो गई। कोतवाल जयनारायण शुक्ल के अनुसार दोनों में विवाद शुरू हो गया। संगम सिंह ने डंडे से उसके सिर पर वार कर दिया। जिससे वह वहीं बेहोश होकर गिर गया। सूचना पर घर वाले उसे पहले सीएचसी कौड़ीराम ले गए वहां से मेडिकल कालेज ले गए। जहां मंगलवार की रात को उसकी मौत हो गई। पुत्री पूनम की तहरीर पर गोला पुलिस ने रात में ही मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

यूनिसेफ तथा एक्शनएड एसोसिएशन ने डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर के साथ किया बैठक

प्रखर मिजार्पुर। विकास भवन डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर कार्यालय डीपीओ मैम बाड़ी वर्मा तथा सीडीपीओ के साथ यूनिसेफ तथा एक्शनएड एसोसिएशन लखनऊ से शिक्षा विशेषज्ञ रित्विक पात्रा तथा प्रोजेक्ट ऑफिसर नाजिश जी तथा जिला समन्वयक रतन कुमार मिश्रा जिला सहायक समन्वयक कृपाशंकर के साथ बैठक किया गया जिसमें रित्विक जी ने ब्लॉक नारायणुर के ग्राम पंचायत रायपुरिया में सात आंगनबाड़ी केंद्र हैं सात आंगनवाड़ी केंद्र नियमित संचालित नियमानुसार किया जाता है इसका अवलोकन करने के बाद यह निकल कर आया कार्य बेहतर तरीके से संचालित किया जा रहा डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर के समक्ष सराहना की साथ ही साथ मिजार्पुर जिले के 2668 आंगनबाड़ी केंद्र हैं सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को मार्च शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा पोषण के विषय पर प्रशिक्षण यूनिसेफ टीम के द्वारा दिया जाएगा साथ ही अभी भी जितने आंगनवाड़ी केंद्र के के पास कक्षा संचालित करने के लिए सुरक्षित कमरा तथा स्थान नहीं है उनका सूची तैयार करने तथा उस पर कार्य करने के विषय पर बात किया गया तथा नई पहल टीम इसमें पूर्ण रूप से सहयोग करेगी तथा पंचायत विद्यालय के माध्यम से कच्छ कमरा इत्यादि व्यवस्था करके संचालित करने के लिए व्यवस्था किया जाएगा इन इत्यादि मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया।

आर्य समाज ने वैदिक मंत्रों तथा यज्ञ के साथ किया वेद प्रचार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आर्यसमाज गाजीपुर के तत्वाधान में आर्यसमाज मन्दिर चीतनाथ में 4सितम्बर तक चलने वाले वेद प्रचार कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रों द्वारा यज्ञ के साथ किया गया। इस अवसर पर वैदिक विद्वान आचार्य सत्यपाल जी ने परमात्मा की एकमात्र वाणी वेद के द्वारा मानव जीवन की दोहरे पन की विसंगतियों को दूर कैसे किया जा सकता है,उसका निदान के सम्बन्ध में प्रकाश डाला। परमात्मा का ज्ञान आज भी पूरे संसार में व्याप्त है। बस अहम के कारण मत मजहब संप्रदाय वाले इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जिस दिन इस सच्चाई को सब मान लेंगे सुख शांति और समृद्धि प्राप्त हो जाएगी। इस अवसर पर दिलीप वर्मा प्रधान ने बताया कि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पंडित नेमप्रकाश जी ने भजन के माध्यम से ईश्वर के सच्चे स्वरूप को प्रस्तुत किया। आज प्रातः कालीन यज्ञ पर यजमान के रूप मे संतोष वर्मा सपत्नीक उपस्थित थे। इस अवसर पर मोहन जी, डॉक्टर गोविन्द जी, सुरेंद्र वर्मा, अजय आर्य, मंत्री संतोष आर्य, रवीशजी, संजय जी, संतोष वर्मा, आदित्य प्रकाश, वेद प्रकाश, धर्मेन्द्र जी,रवि , राजेंद्र जी एवम् अन्य लोग उपस्थित हुए।

ज़िम्बाब्वे के परिवहन एवं ढांचागत विकास उप मंत्री एम. मदीरो का बरेका दौरा

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी।ज़िम्बाब्वे के परिवहन एवं ढांचागत विकास उप मंत्री एम. मदीरो के नेतृत्व में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बनारस रेल इंजन कारखाना का दौरा किया। इस दौरान यहां डीजल एवं विद्युत लोको निर्माण सुविधाओं और क्षमताओं को देखा। राइट्स के जीजीएम/एक्सपोटेक राकेश बहल के साथ एलेश कुमार पटेल एनआरजेड बोर्ड के सदस्य और एडवर्ड नदुमियाना परिवहन और ढांचागत विकास उप मंत्री, जिम्बाब्वे एवं अन्य सदस्य इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे । इस अवसर पर बरेका प्रशासन भवन के कीर्तिकक्ष में प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अमिताभ, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एम.के. गुप्ता,मुख्य अभिकल्प इंजीनियर/ डीजल लोको आर.आर. प्रसाद,मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ उत्पादन एवं विपणन सुनील कुमार, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक विजय ने जिम्बांब्वे प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। सर्वप्रथम प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अमिताभ ने जिम्बाब्वे के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और जिम्बाब्वे रेलवे के विकास में बरेका से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान बरेका की क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया और निर्यात किए गए लोको के विषय में जिम्बाब्वे के प्रतिनिधिमंडल को पावर प्वांइट प्रेंजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। अंत में ज़िम्बाब्वे के परिवहन एवं ढांचागत विकास उप मंत्री एम. मदीरो ने भी बैठक को संबोधित करते हुए बरेका की रेल इंजन निर्माण क्षमताओं की सराहना की और जिम्बाब्वे हेतु रेल इंजनों के निर्माण के लिए बनारस रेल इंजन कारखाना में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। इसके बाद, उच्च स्तरीय जिम्बाब्वे प्रतिनिधिमंडल ने बनारस रेल इंजन कारखाना के कर्मशाला के विभिन्न शॉपों जैसे न्यू ब्लॉक शॉप, लाईट मशीन शॉप, इंजन टेस्ट शॉप, लोको असेंबली शॉप आदि का दौरा किया । कारखाना भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल को डीजल और इलेक्ट्रिक इंजनों के निर्माण के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया । इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को मोजाम्बिक निर्यात के लिए तैयार लोकोमोटिव भी दिखाया गया। बरेका में उपलब्ध डिजाइन क्षमताओं और रेल इंजन निर्माण सुविधाओं से प्रतिनिधिमंडल काफी प्रभावित हुए ।

घूस लेने के जुर्म में गोरखनाथ थाने के तत्कालीन चालक को तीन साल की कैद

प्रखर गोरखपुर। भ्रष्टाचार का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम ओम प्रकाश मिश्र ने गोरखनाथ थाना क्षेत्र के मिजार्पुर पचपेड़वा निवासी तत्कालीन आरक्षी चालक जगदीश सिंह तीन साल के कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक घनश्याम त्रिपाठी का कहना था कि शिकायतकर्ता सुभाष चंद नायक के शिकायती प्रार्थना पत्र पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सहायक पुलिस अधीक्षक नवनीत को गोपनीय जांच का निर्देश दिया गया। जांच में पाया कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गोरखपुर के न्यायालय में सरकार बनाम सुभाष चंद नायक आदि के मुकदमे में अभियुक्तों के विरुद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी किया गया है और तारीख पेशी 16 नवम्बर 1998 नियत है। वादी नवनीत आरएसआई रामसेवक यादव और आरक्षी राघवेंद्र सिंह के साथ सादे कपड़े में मंदिर के पास उपस्थित होकर शिकायतकर्ता सुभाषचंद नायक पर नजर रखे हुए थे। इसी बीच थाने की जीप से अभियुक्त आरक्षी चालक जगदीश सिंह आया और गाड़ी रोककर प्रबंधक कक्ष की ओर गया और शिकायतकर्ता से दो हजार रुपए रिश्वत की मांग की। जहां अभियुक्त को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

प्रखर वाराणसी। बृहस्पति फाउंडेशन के द्वारा "गिव ब्लड सेव लाइफ अंजलि" मुहिम के तहत पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर हॉस्पिटल वाराणसी में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 यूनिट ब्लड सदस्यों के द्वारा दान किया गया इसमें प्रमुख रूप से अमित प्रजापति, अभिषेक सिंह, रजत विश्वकर्मा, अमित यादव, निखिल यादव, आशा पांडेय, सोनाली प्रजापति, प्रिया सैनी, श्वेता पांडे, ओम प्रकाश गुप्ता, रोहित सोनी, आकांक्षा, आदि लोग मौजूद रहे संस्था के संस्थापक अमित प्रजापति ने कहा हमारे सभी मेंबर 3 महीने के अंतराल पर रक्तदान करते रहेंगे व नए रक्तदाता के द्वारा आगे रक्तदान की मुहिम चलती रहेगी।

RTI के मंडल अध्यक्ष की पहल से नाली निर्माण कार्य प्रारंभ

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। सूचना के अधिकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आशीष केसरी के द्वारा नारायणपुर सोनभद्र मार्ग निर्माण कंपनी एसीपी द्वारा अहरौरा बाईपास मार्ग महुली चौराहे से मेहंदीपुर चौराहे तक विभागीय उदासीनता के कारण विगत 6 वर्षों से नाली निर्माण का कार्य नहीं किया गया था जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को जलजमाव के कारण काफी असुविधा हो रही थी जिनके शिकायत पर गुरुवार को नाली निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। क्षेत्रीय लोगों ने एसीपी कंपनी के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका अध्यक्ष, विधायक एवं सांसद से बार-बार समस्याओं को लेकर मौखिक एवं पत्र के माध्यम से शिकायत की गई लेकिन इस समस्या पर कोई भी कार्यवाही नहीं की गई तभी क्षेत्रीय लोगों ने सूचना के अधिकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आशीष केसरी से शिकायत की जिसको संज्ञान में लेते हुए त्वरित पत्राचार संभागीय विभागों को भेजा गया तथा नहीं बनने का कारण भी जाना विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि नाली निर्माण ना होना विभागीय त्रुटि के साथ-साथ नक्शे तक को गलत ठहरा दिया गया उसके बाद टोल प्लाजा कंपनी के जनरल मैनेजर द्वारा आशीष से मुलाकात कर नाली निर्माण का भरोसा बुधवार को दिया उसी क्रम में गुरुवार की सुबह 11:00 बजे टोल प्लाजा के मैनेजर अमृक सिंह द्वारा जेसीबी चलाकर गंदगी को साफ कराया जा रहा है तथा मौके पर मंडल अध्यक्ष आशीष केसरी को बुलाकर लोगों के मध्य 1 सप्ताह के अंदर नाली निर्माण कार्य करा दिया जाएगा , क्षेत्रीय लोगों ने सूचना के अधिकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आशीष केसरी के प्रति आभार व्यक्त किया है इनके कार्य को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएँ हो रही मौके पर उपस्थित प्रमुख स्थानीयलोगों में प्रवीण मौर्य ,धीरज सिंह, संतोष यादव, अशोक कुमार, राम सकल, राकेश, नंदलाल सहित क्षेत्रीय प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी हुआ संपन्न

प्रखर जौनपुर। करबला में हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व उनके 72 साथियों की दी गई कुबार्नी की याद में जौनपुर का प्रसिद्ध ऐतिहासिक अलम नौचंदी जुलूस ए अमारी 1 सितंबर 2022 दिन बृहस्पतिवार को इमामबाड़ा स्व0 मीर बहादुर अली दालान से निकला गया इस जुलूस का इतिहास ये है कि सन 1942 में इस इलाके में ताउन यानी प्लेग की बीमारी फैल गई थी और हर घर से लाशे निकल रही थी लोग बहुत परेशान थे इस जुलूस के बानी सैय्यद जुल्फेकार हुसैन रिजवी ने अपने दो साथियों अली बाकर आब्दी व अमीर हसन खा के साथ मिलकर एक फरियादी आलम उठाने का संकल्प लिया और अलम उठाया गया और उसको बीमारी वाले रास्ते से घुमाया गया चमत्कार ये हुआ कि लोगो को बीमारी से निजात मिल गई बीमारी समाप्त हो गई जब बीमारी समाप्त हो गई तो इन लोगो ने अलम को हर महीने उठाने का फैसला किया उसके बाद सफर की नौचंदी जुमेरात को एक बड़े जुलूस की शक्ल दे दिया गया इस जुलूस में प्रदेश के कोने कोने से हर धर्म के लोग एकत्रित होते हैं और अपनी मुरादे पाते हैं अलम पर लोग छिल्ला बांधते हैं और

उनकी मुरादे भी पूरी होती है इस वर्ष इस जुलूस की मजलिस की शुरूआत सोजखानी से शुरू किया गया जिसको गौहर अली जैदी और उनके साथियों ने पढ़ा उसके बाद मजलिस की संबोधित करने पटना से आए मौलाना सैयद मुराद रजा रिजवी मुकीम हाल ईरान ने संबोधित किया मजलिस खत्म होने के बाद अलम मुबारक निकाला गया अलम निकलने के बाद मास्टर मोहम्मद हसन नसीम ने जुलूस निकाले जाने के कारण पर प्रकाश डाला और अमारिया बारी बारी निकाली गई जुलूस में शहर की समस्त अंजुमन नौहा मातम करती चल रही थी जुलूस जब इमाम बडा मीर घर पहुंचे तो वहा एक तकरीर डा कमर अब्बास द्वारा की गई और ताबूत जनाबे सकीना बरामद हुआ जिसको अलम मुबारक से मिलाया गया जुलूस जब सदर इमामबाड़ा पहुंचा तो वहा बेलाल हसनैन ने एक अलवेदाई तकरीर की और अमारी रौजे में बारी बारी दाखिल की गई जुलूस के व्यवस्थापक सैय्यद अलम दार हुसैन रिजवी कन्वीनर सैय्यद शहेंशाह हुसैन रिजवी और उनके भाइयों द्वारा आए हुए तमाम लोगों का और जिला प्रशासन का शुक्रिया अदा किया।

मुहल्लेवासी हो जायें सावधान 11 हजार लाइन से बनाये दूरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रौजा उपकेंद्र के टाउन नम्बर वन फीडर के मुहल्ला हनुमान गढ़ी के सभी उपभोक्ताओं को अवगत कराना है कि अत्यधिक लोड के कारण टाउन नंबर वन फीडर पर बार-बार तार टूटने की समस्या बनी रहती है जिसकी वजह से उपभोक्ताओं को विद्युत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सहायक अभियंता शहर सत्यम त्रिपाठी ने बताया कि टाउन नंबर वन फीडर का लोड बटवारा करने के लिए एक फहले से फीडर बनाया गया इमरजेंसी के लिए जो पहले चालू नही था परंतु ओवर लोड हो जाने के कारण इसी 11 हजार लाइन पर लोड का बटवारा किया जाना है ताकि फीडर वन के उपभोक्ताओं को समय से सही विद्युत सप्लाई मिल सके आगे उन्होंने यह भी बताया कि बन्द पड़ी 11 हजार लाइन के नीचे बिना नक्शे का एव बिना विद्युत विभाग के परमिशन के बगैर कुछ लोग अपना घर बना लिए है जिनसे मैं अपील करता हु की आपलोग इस 11 हजार लाइन से दूरी बनाए रखें तथा सावधान रहें बन्द पड़े 11 हजार की लाइन चार्ज की जानी है।

आरएसएस स्वयंसेवको ने की बाढ़ पीड़ितों की मदद, जाना हाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नन्दगंज जनपद में एक तरफ भारी उमस तथा सूखे का माहौल है तो वही दूसरे तरफ गंगा नदी के तटवर्ती इलाके में बाढ़ का रौद्र रूप है। इसी कारण जनपद की एक बड़ी आबादी इन दिनों बाढ़ से प्रभावित है। इसी क्रम में मानवता का परिचय देते हुए रास्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकताओं ने बुधवार को करण्डा थाना क्षेत्र के दीनापुर, तुलसीपुर , मोहबलपुर आदि बाढ़ प्रभावित गाँवों का नाव से भ्रमण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने बाढ़ से पीड़ित जन मानस से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। यही नही सेवा भाव का परिचय देते हुए नाव से आ रहे, जा रहे गांव के लोगो की मदद भी की। बाढ़ से पीड़ित महिलाओं एवं पुरुषों का सामान नाव पर चढ़ाने से लेकर उतारने तक में स्वयं सेवकों ने मदद की। इस मौके पर रविन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वंय सेवक राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानते हुए देश, प्रदेश या क्षेत्र में सदैव सेवा भाव का कार्य करते रहते। स्वयं सेवकों के अंदर राष्ट्र की भावना और सेवा भाव कूट कूट कर भरी रहती है। कही भी किसी को बिपत्ति में देखकर उनकी मदद करने को तुरन्त पहुँच जाते हैं। उसी सेवा भाव के कारण आज इस बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में स्वयं सेवक ग्रामीणों की मदद करने आये हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक सह विभाग पर्यावरण प्रमुख संजय, सह जिला व्यवस्था प्रमुख सत्येंद्र, सह जिला शारीरक प्रमुख राज कुमार, खण्ड कार्यवाह नागेंद्रजी, जिला सम्पर्क प्रमुख प्रभाशंकर के साथ शशिकांत, गिरी, शिवम आदि स्वयं सेवक मौजूद रहे।

ग्रामीण गरीबों के बुनियादी सवालों पर प्रदेश सरकार बुलडोजर चला रही हैं- सुधाकर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने गाजीपुर में अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा तथा भाकपा माले के कार्यकताओं को शहर के एक मैरिज हाल में संयुक्त कन्वेंशन को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों के घर मकान पर सीधे बुलडोजर चलाने के साथ ग्रामीण गरीबों खासकर दलितों के जीवन जीविका एवं मान सम्मान पर बुलडोजर चला रही हैं उन्होंने गाजीपुर प्रदेश के अन्य जिलों में दलितों आदिवासियों सहित गरीबों पर चले बुलडोजर से बेघर हुए लोगों का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए दुखद स्थिति को बयां किया है और कहा कि ग्रामीण गरीब खुद ही लड़कर इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकने का विकल्प तैयार कर रहा है।कन्वेंशन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा सचिव राष्ट्रीय सचिव ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा नई कृषि नीति को लागू किया जा रहा है जिससे प्रदेश में बड़े हिस्से में भूख कुपोषण का जाल फैलता जा रहा है उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा राष्ट्रव्यापी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी नहीं कर पाता था देशभर में अभियान चलाकर किसानों के साथ एकजुट करने का सराहनीय प्रयास कर रहा हैं। अखिल भारतीय खेत ग्रामीण मजदूर सभा के प्रदेश सचिव राजेश साहनी ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो द्वारा 2001 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 164003 आत्महत्या की घटनाएं हुई हैं मरने वाला व्यक्ति दिहाड़ी मजदूर है जो निश्चित रूप से चौपट की थी कृषि व्यवस्था के चलते हैं जीवन जीविका से बेदखल हुए लोग हैं जो देहाती मजदूर में बदल गए उनका बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश का है उसी रिपोर्ट में बलात्कार सामूहिक गैंगरेप में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है यह रिपोर्ट साबित करता है कि ग्रामीणों गरीबों एवं महिलाओं की स्थिति बदतर है । भाकपा (माले) जिला सचिव रामप्यारे राम, कमलाकर राम,बेचू बनवासी, केवला देवी, रोहित बिंद,राम अशीष बिंद, योगेन्द्र प्रताप भारती, मुराली वनवासी, लालजी बनवासी, मनोज कुशवाहा, मुहम्मद सगीर, मोती प्रधान,अभिनायक,राम अवध बिंद, राम करन ने भी सम्बोधित किया संचालन जिला सचिव राजेश वनवासी, मंजू गोंड, सरोज यादव ने किया।

खेतासराय में चेकिंग के दौरान बदमाश गांजा के साथ धराया

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। गुरुवार को स्थानीय पुलिस ने सघन तलाशी के दौरान एक शातिर बदमाश को एक किलो से अधिक गांजा के साथ गोरारी बाजार से धर दबोचा । आवश्यक कार्यवाही के बाद आरोपित को चालान न्यायालय भेज दिया ।

एएसपी सिटी डॉ संजय कुमार के नेतृत्व में अपराध के खिलाफ चलाए गए अभियान के क्रम में पुलिस के मुताबिक खेतासराय एसओ यजुर्वेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गुरुवार की सुबह 6:30 बजे गोरारी स्तिथ लेदरही मोड़ के समीप चेकिंग कर रही थी । इसी दौरान उक्त बाजार में एक संदिग्ध आता दिखाई दिया । पुलिस ने दौड़ाकर दबोच लिया, तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया । पूछताछ में अपना नाम इम्तियाज उर्फ राजू पुत्र जान मोहम्मद निवासी लेदरही बताया । पुलिस ने आरोपित को एनडीपीएस एक्ट में चालान न्यायालय भेज दिया । इस बाबत पूछे जाने पर एसओ यजुर्वेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी बहुत ही शातिर है, इस तरह के अपराधियों की गिरफ्तारी से जर्रायम पर अंकुश लगेगा । गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष यजुर्वेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक राकेश सिंह, हेड कांस्टेबल मंहगू यादव, रामाशीष यादव, धर्मेन्द्र कुमार यादव समेत अन्य लोग शामिल रहे ।

स्पाइन सर्वाइकल की चोट की हुई जटिल सर्जरी

नई दिल्ली (एसएनबी)। डॉक्टरों ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए अलीगढ़ के एक 72 वर्षीय मरीज़ की रीढ़ की हड्डी (स्पाइन सर्वाइकल) में लगी चोटों का सफल इलाज किया है। स्पाइन में सर्वाइकल जंक्शन काफी नाजुक भाग होता है और इसे क्षति पहुंचने पर इलाज में देरी होने से पूरा शरीर स्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नोएडा के अधिकांश अस्पतालों में स्पाइन के जटिल भाग की एडवांस सर्जरी की सुविधाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं होने के कारण इस मरीज़ को तत्काल अलीगढ़ से फोर्टिस नोएडा लाया गया। मरीज़ की गर्दन में काफी दर्द था और हाथ एवं पैरों में जकड़न तथा कमजोरी भी महसूस हो रही है। वह बैठने या खड़े होने अथवा अपनी गर्दन को हिलाने-डुलाने की स्थिति में भी नहीं थे।

- स्पाइन में सर्वाइकल जंक्शन काफी नाजुक भाग होता है
- इसे क्षति पहुंचने पर या इलाज में देरी पर हो सकता है लकवा

सीटी स्कैन तथा एमआरआई से सर्वाइकल में कम्प्रेशन के साथ काफी गंभीर फ्रैक्चर का पता चला। मरीज़ की गर्दन में हार्ड-सर्वाइकल कॉलर लगाकर उसे तत्काल स्थिर (इममोबीलाइज़) करने और सर्जरी के लिए फिट बनाने की आवश्यकता थी। मरीज़ की पूरी जांच और पुराने रोगों आदि की जानकारी लेने के बाद पता चला कि वह डायबिटीज़, हाइपरटेंशन, कोरोनरी आर्टरी रोग के साथ एंकिलोसिंग स्पॉन्डलाइटिस से पीड़ित है। इसमें स्पाइन की अलग-अलग हड्डियां आपस में बांस की शाखाओं की तरह जुड़ जाती हैं जिससे शरीर में काफी जकड़न पैदा होती है।

हृदय रोगों से निपटने में योग से मदद संभव

वाशिंगटन (भाषा)। प्रख्यात विशेषज्ञों का कहना है कि योग से हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है। उनका मानना है कि हृदय रोग से पीड़ित लोगों की संख्या खराब जीवनशैली, व्यायाम की कमी, गलत आहार और तनाव की वजह से उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दशकों में भारत में हृदय रोग महामारी का रूप धारण कर सकता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ योग ऐंड मेडिटेशन (एएवाईएम) ने चेतावनी दी है कि आने वाले दशक में भारत हृदय संबंधी बीमारियों के मामले में सभी पश्चिमी देशों को पीछे छोड़ देगा।

एएवाईएम फिजिशियन, वैज्ञानिकों और अन्य शिक्षाविदों का गैर लाभकारी संगठन है जो नियमित तौर पर डॉक्टरों को चिकित्सा में योग के इस्तेमाल को समझने के लिए प्रशिक्षण देता है। अमेरिकी अकादमी ने कहा कि भारत मधुमेह (डायबिटीज) और उच्च रक्तचाप के मामले में महामारी जैसी स्थिति का सामना कर रहा है और दुनिया की हृदय रोग राजधानी बनने की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि एएवाईएम अपने सार्वजनिक मंच 'गंगा मिसिसीपी संवाद' के नाम से ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित कर रहा है जिसमें यह रेखांकित किया जा रहा है कि हृदय रोगों को रोकने के लिए कैसे योग का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बयान में कहा गया कि हृदयघात, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और धमनियों के बाधित होना कुछ बीमारी हैं जिन्हें योग ये या तो रोका जा सकता है या कम किया जा सकता है। बयान के मुताबिक 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को तीन अक्टूबर को अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रसारित किया जाएगा।

विश्व के सबसे पुराने और विशाल योग विश्वविद्यालय और चिकित्सा केंद्र स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास) के संस्थापक कुलपति डॉ.एच.आर.नगेंद्र ने कहा, खराब जीवनशैली के चुनाव से वैश्विक स्तर पर हृदय संबंधी रोगों में अचानक बढ़ोतरी हुई है। यह संस्थान बीमारियों को ठीक करने के लिए योग का इस्तेमाल करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई सहित प्रमुख हस्तियों के योग सलाहकार डॉ.नगेंद्र ने कहा, तनाव मुख्य रूप से जानलेवा है और योग स्वतः तंत्रिका तंत्र को संतुलित कर तनाव और उसके खराब असर को दूर करता है।

मेम्फिस स्थित मेम्फिस विश्वविद्यालय से सबद्ध स्कूल ऑफ हेल्थ में प्रोफसर व वीए मेडिकल सेंटर में हृदय रोग विशेषज्ञ एवं कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट डॉ. इंद्रनील बसु राय ने कहा कि कई अनुसंधान पत्रों और वृहद विश्लेषण से हृदय रोग के खतरे से बचने में योग के सकारात्मक असर का पता चलता है। उन्होंने कहा,इसलिए, नियमित योग करने से दिल का दौरा पड़ने, स्ट्रोक, हृदयघात और धमनियों के बाधित होने के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। डॉ. राय ने कहा, एडवांस मोलिकुलर बायोलॉजी और इमेजिंग प्रौद्योगिकी ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि योग से तनाव पैदा करने वाले जीन की गतिविधि सीमित हो सकती है जो रक्त वाहिकाओं में तनाव बढ़ाता है और जिससे दिल का दौरा पड़ने, स्ट्रोक और हृदयघात हो सकता है।

प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय योग संगठन आईएवाईटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिलीप सरकार ने कहा, तनाव उच्च रक्तचाप और मधुमेह का मूल कारण है और दवा से इसमें सुधार हो सकता है लेकिन पूरी तरह से ठीक या लगाम योग और ध्यान के साथ जीवनशैली में बदलाव के साथ ही लगाई जा सकती है। नई दिल्ली के नजदीक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान के हृदय सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. निर्मल गुप्ता ने कहा, इस महामारी से होने वाली मौतों और पीड़ा से नियमित योग और ध्यान, कम वसा युक्त भोजन और तनाव मुक्त जीवनशैली अपना कर बचा जा सकता है।

अल्लू अर्जुन और राम चरण के किरदारों वाली मूर्तियां गणेश चतुर्थी पंडालों में

मुंबई (आईएएनएस)। हाथी के सिर वाले गणेश भगवान भारत और विदेशों में अनगिनत लाखों लोगों के पसंदीदा हैं। भक्तों द्वारा अपने पंडालों में अलग अलग तरह की मूर्तियों को रखा जाता है। इनमें से कई वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास को दर्शाती हैं। लेकिन हाल ही में दक्षिण भारत की कुछ फिल्मों ने ऐसी सफलता प्राप्त की है कि इतिहास ही रच दिया है। इन फिल्मों के किरदार भी लोगों को काफी पसंद आए हैं, अब भारत भर के पंडालों में लोकप्रिय स्टार चचेरे भाई अल्लू अर्जुन और राम चरण के गणेश मूर्ति संस्करणों को देखना कम आश्चर्यजनक नहीं है। यह कुछ खास तस्वीरें हैं जो कि सोशल मीडिया पर भी ट्रेंड कर रही हैं। अब गणेश पंडालों में दोनों सितारों की मूर्तियां भी लगी देखी जा रही हैं। गणपति त्यौहार लोगों के बीच सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला त्यौहार है। जहां लोग अपने यहां भगवान गणेश का स्वागत करते हैं।

शोधकर्ताओं ने कोविड बीमारी के लिए नए इलाज का पता लगाया

लंदन (भाषा)। शोधकर्ताओं ने कोविड-19 बीमारी के लिए एक नए इलाज की पहचान की है और उनका कहना है कि इससे भविष्य में वायरस के नए स्वरूपों से भी सुरक्षा मिल सकेगी। ब्रिटेन के केंट विश्वविद्यालय और जर्मनी के गोएथे-विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने सार्स-सीओवी-2 ओमीक्रोन और डेल्टा वायरस की संवेदनशीलता का परीक्षण किया। उन्होंने मौजूदा दवा बीटाफेरॉन के साथ स्वीकृत चार एंटीवायरल दवाओं के संयोजन के संदर्भ में नए परीक्षण किए। बीटाफेरॉन एंटीवायरल दवा है जो शरीर में स्वाभाविक रूप से भी उत्पन्न होता है और शरीर को वायरस के संक्रमण से बचाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि कोविड के मौजूदा चरणों के दौरान शुरुआती दौर की अपेक्षा कम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और कम मरीजों की मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि इसकी वजह बड़े पैमाने पर टीकाकरण है। उन्होंने कहा कि हालांकि, कई लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली में दोष होता है और वे टीकाकरण के बाद भी खुद को कोविड से प्रभावी ढंग से नहीं बचा पाते हैं। नया अध्ययन जर्नल ऑफ इंफेक्शन नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि नया संयोजन इलाज वायरस के नए स्वरूपों को रोक सकता है। केंट विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मार्टिन माइकलिस ने कहा कि नए निष्कर्ष रोमांचक हैं और इससे कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले कोविड मरीजों के इलाज में मदद मिलेगी।

- इससे भविष्य में वायरस के नए स्वरूपों से भी सुरक्षा मिल सकेगी

'रील' की जिंदगी में भी भावनाओं पर टिकी सफलता

तिरुवनंतपुरम (आईएएनएस)। सफलता भावनाओं पर निर्भर करती है, फिर चाहे वह 'रील' लाइफ हो 'रियल' लाइफ। मलयालम फिल्मी दुनिया में ताजा चर्चा है कि बेहद लोकप्रिय निर्देशक सिबी मलयिल की किस तरह सुपरस्टार मोहनलाल अनदेखी कर रहे हैं। निर्देशक सिबी मलयिल ने मोहनलाल के करियर की शुरूआत में कई हिट फिल्में दी थी। मलयिल की टीम की अमर हिट फिल्मों को कोई कभी नहीं भूल पाएगा। लेखक लोहितदास और मोहनलाल ने मलयालम फिल्म उद्योग को उपहार दिया है, जिसमें 'किरीदम', 'दशरथम', 'हिज हाइनेस अब्दुल्ला' से लेकर कुछ नाम शामिल हैं। 65 वर्षीय मलयिल अपने नरम और मनभावन व्यवहार के लिए जाने जाते हैं, वह मोहनलाल द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार से दुखी हैं। मलयिल ने कहा कि, लंबे समय से वह 'दशरथम' का दूसरा भाग करने की सोच रहे हैं लेकिन किसी कारण से सुपरस्टार लगातार उन्हें टरका रहे और अब वह उम्मीद खो चुके हैं।

कुणाल पत्नी सोहा और बेटी इनाया के साथ पहुंचे गणपति मंदिर

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड कपल कुणाल खेमू और सोहा अली खान ने अपनी चार साल की बेटी इनाया नौमी खेमू के साथ गणपति मंदिर जाते हुए एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में इनाया को मंदिर में प्रार्थना करते हुए, एक गाय को खाना खिलाते हुए और यहां तक कि अपने माता-पिता के माथे पर तिलक लगाते हुए देखा जा सकता है। कुणाल और सोहा ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पेज पर सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं। भगवान गणेश आप सभी के जीवन में सुख शांति और प्रकाश लाएं। गणपति बप्पा मोरिया। सोशल मीडिया यूजर्स अपने आप को रोक नहीं पाए और अपनी बेटी की अच्छी परवरिश के लिए दोनों कलाकारों की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, जिस तरह से आप दोनों अपनी बेटी की परवरिश कर रहे हैं, उसकी सराहना करनी चाहिए, वह बहुत प्यारी है। एक अन्य ने कहा, कुणाल ने अपनी बेटी को दाहिने हाथ से घंटी बजाने के लिए कहा। और मैंने सोचा कि यह केवल मेरे माता-पिता ही हैं जो ऐसा करते हैं। सोहा और कुणाल को अच्छे माता-पिता बताते हुए, एक प्रशंसक ने कहा, आप दोनों बहुत अच्छे माता-पिता हैं। जो आपके बच्चों को भारत के हर त्यौहार में भाग लेना सिखाते हो। तो इस तरह से कुणाल और सोहा की परवरिश को लेकर कई सारे दूसरे यूजर्स ने भी तारीफें की।

हिमेश ने जारी किया 'गणपति गजानन'

मुंबई (आईएएनएस)। गायक हिमेश रेशमिया ने गणेश चतुर्थी के मौके पर बुधवार को अपना नया ट्रैक 'गणपति गजानन' जारी किया। यह गाना 'हिमेश रेशमिया डिवोशनल' का पहला ट्रैक है। गाने के रिलीज के अवसर पर हिमेश ने एक बयान में कहा, हमारे पहले म्यूजिक लेबल ने पहले 75 गानों पर 3 बिलियन व्यूज को पार कर लिया है, जिसमें से 'सुरूर 2021' एल्बम के पहले 3 गानों ने पूरे यूट्यूब पर 1.5 बिलियन का आकड़ा छुआ और हमारा दूसरा संगीत लेबल जो पिछले महीने लॉन्च किया गया था, असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। गाने को रेशमिया के पिता विपिन रेशमिया ने कंपोज किया है और हिमेश ने अपनी आवाज दी है। यह पहली बार है जब पिता-पुत्र की जोड़ी ने सहयोग किया है। अपने उत्साह को साझा करते हुए, संगीतकार ने कहा, अब हमारे तीसरे संगीत लेबल के साथ, जो भक्ति संगीत है, हम पिताजी के गीत के साथ लॉन्च कर रहे हैं, जिसे मैंने गाया है। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि पहला गीत पहले ही दिन 5 मिलियन व्यूज के साथ इतनी अच्छी तरह से स्वीकार किया गया। गाने को सुधाकर शर्मा ने लिखा है और यह यूट्यूब पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

पहचान बनाना कभी आसान नहीं होता : विजय वर्मा

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता विजय वर्मा को हिंदी फिल्म उद्योग में एक दशक हो गया है और उन्होंने 'चटगांव', 'पिंक', 'गली बॉय', 'मिजार्पुर' और अपनी नवीनतम रिलीज 'डार्लिंग्स' में अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। बॉलीवुड अभिनेता का कहना है कि इंडस्ट्री में नाम बनाना आसान नहीं है और उन्हें अपने काम से खुद को साबित करना होता है। उद्योग में बाधाओं का सामना करने के बारे में बात करते हुए, विजय ने कहा,

कई सारी बाधाएं आती हैं लेकिन अंततः आप समझ सकते हैं कि यही बाधाएं आपके बढ़ने और आपकी जिंदगी की यात्रा का हिस्सा हैं। बेशक यह आसान नहीं है। 'इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना या नाम बनाना आसान नहीं है और उन लोगों को सलाम जो सालों से ऐसा कर रहे हैं । आपकी एक फिल्म या एक प्रदर्शन आपके बारे में पूरी राय एक तरह से बदल सकता है। और मेरे जैसे गैर-फिल्मी पृष्ठभूमि से आने वाले और बाहरी व्यक्ति के लिए अवसर प्राप्त करना भी आसान नहीं है। मुझे वास्तव में अपने काम के माध्यम से साबित करना था। मुझे बस अवसरों की उम्मीद थी और जब मुझे अवसर मिले तो मैंने पूरी लगन से काम किया। 36 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि यह उनका काम ही है जो उनके लिए बोलता है। उनका कहना है, मुझे लगता है कि अपने काम की वजह से ही मुझे और काम मिल रहा है और दर्शकों का प्यार ही वास्तव में मुझे एक ऐसी रोशनी में रखता है जो मेरे लिए भी आकांक्षी है।

पंखुड़ी ने गणेश उत्सव को किया याद

मुंबई (आईएएनएस)। ये रिश्ता क्या कहलाता है की अभिनेत्री पंखुड़ी अवस्थी रोडे ने गौतम रोडे के साथ शादी के बाद अपने पहले गणपति उत्सव को याद किया। वह कहती हैं, मैंने अपने पति गौतम रोडे के घर पर गणेशोत्सव की पहली झलक देखी और मैंने व्यक्तिगत रूप से बप्पा की पूजा उनके परिवार के साथ की। फिर गौतम के साथ शादी के बाद, मैं अपने घर में बप्पा लाने लगी। इस त्यौहार का अपना महत्व है, जब बप्पा घर आते हैं, तो दिन रात हम उनकी सेवा करते हैं। अभिनेत्री, जो वर्तमान में 'गुड से मीठा इश्क' में नजर आ रही है अब पिछले कई सालों से त्यौहार मना रही है और गणपति को विदाई देना उनके लिए कभी आसान नहीं रहा।

संदीप शर्मा सीरियल के डायलॉग्स का करतें हैं इस्तेमाल

मुंबई (आईएएनएस)। 'स्वर्ण घर' में नकुल की भूमिका निभा रहे अभिनेता संदीप शर्मा का कहना है कि उन्हें शो में अपने किरदार से प्यार है और उन्हें इसे पर्दे पर निभाने में मजा आता है। इस शो के डायलॉग्स का इस्तेमाल वह असल जिंदगी में भी करते हैं। अभिनेता का कहना है कि, नकुल 'स्वर्ण घर' में मेरा पसंदीदा किरदार है, मुझे बस उसे स्क्रीन पर रखना पसंद है। उसका चरित्र, मनोदशा और विशेषताएं अद्भुत हैं। यहां एक अभिनेता के रूप में करने और तलाशने के लिए बहुत कुछ है। मैं नकुल से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं, अभिनय के दौरान कई बार मुझे एहसास हुआ कि मैंने उनके कई संवादों का वास्तविक जीवन में भी इस्तेमाल किया है। संदीप कहते हैं, स्वर्ण घर की सामग्री अलग है, यह ताजा और संबंधित है। यह शो माता-पिता और बच्चों दोनों की धारणाओं पर प्रकाश डालता है, सभी उतार-चढ़ाव के साथ उनके खूबसूरत रिश्ते की विभिन्न परतों की खोज करता है। वह आगे बताते हैं कि, समाज में बदलते मूल्यों के साथ, माता-पिता और उनके बच्चों के बीच संबंधों के संदर्भ में बहुत कुछ बदल गया है। अभिनेता ने आगे कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों पीढ़ियों की जीवनशैली और जीने की विचारधारा, पसंद, अपेक्षाएं और प्राथमिकताएं बहुत बदल गई हैं। शायद यही कारण है कि माता-पिता-बच्चे के रिश्तों की कहानियां सदाबहार हैं और इसके आसपास बहुत कुछ खोजा जा सकता है।

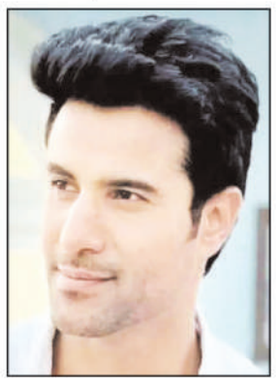

संक्षिप्त खबरें

मारुति में होंगे कुछ बदलाव

नई दिल्ली। मारुति के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बुधवार को मातृ कंपनी सुजुकी मोटर कारपोरेशन के पूरे वैश्विक कारोबार में कंपनी के बढ़ते योगदान की पृष्ठभूमि में आगे चल कर संगठनात्मक बदलावों का संकेत दिया। कोविड-19 महामारी की वजह से उत्पन्न व्यवधानों के चलते दो साल के बाद हुई कंपनी की एजीएम को संबोधित करते हुए भार्गव ने कहा कि भविष्य में सुजुकी के वैश्विक उत्पादन में मारुति का योगदान पिछले साल हासिल किए गए 60 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी बायो मीथेन गैस ईंधन के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अपनी रणनीति तैयार करेगी।

500 घर बनाएगी कासाग्रांड

चेन्नई। रियल्टी कंपनी कासाग्रांड ने स्वतंत्र आवासों के निर्माण के लिए 'कासाग्रांड पर्च' उपक्रम की शुरुआत की है और इसके साथ ही कंपनी ने इस नई पहल के तहत अगले तीन वर्ष में 500 आवास के निर्माण की योजना की घोषणा की है। कासाग्रांड पर्च उन ग्राहकों के लिए आवासीय इकाइयां डिजाइन करेगी जिनके पास कम से कम 1,500 वर्गफुट भूमि है। कंपनी के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आवास का निर्माण रोशनी, हवा, निजता और वास्तु को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। कासाग्रांड के संस्थापक एवं एमडी अरूण एम ने कहा, 'इस उपक्रम के जरिए हम निजी आवास बनाएंगे।

एनटीपीसी पूंजी जुटाएगी

नई दिल्ली। एनटीपीसी को निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके 12,000 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी शेयरधारकों से मिल गई है। मंगलवार को हुई सालाना आम सभा (एजीएम) में इस समाधान को मंजूरी मिली। एजीएम के नोटिस में बताया गया कि एक या अधिक किस्तों में जुटाई जाने वाली धनराशि का उपयोग पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी और सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव को मंजूरी 29 जुलाई 2022 को दी थी।

एमजी ने पेश की नई कार

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी एमजी मोटर इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी प्रीमियम एसयूवी एडवांस्ड ग्लास्टर पेश करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 31.99 लाख रुपए हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ऑटोनोमस (लेवल 1) प्रीमियम एसयूवी अब नए और एडवांस सेफ्टी, स्टाइल और टेक्नोलॉजी एनहांसमेंट्स के साथ आई हैं। मौजूदा ग्लॉस्टर के एडवांस्ड ड्राइवर असिस्ट सिस्टम में अतिरिक्त फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर दिये गये हैं, जैसेकि डोर ओपन वार्निंग , रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट और लेन चेंज असिस्ट आदि। 30 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचरों के अतिरिक्त यह फीचर एडवांस ग्लॉस्टर को सुरक्षित और आसान ड्राइव बनाते हैं।

यूनियन एएमसी का नया फंड

मुंबई। यूनियन एएमसी ने यूनियन रिटायरमेंट फंड के लान्च की घोषणा की। सीईओ जी. प्रदीप कुमार ने कहा कि 'यूनियन रिटायरमेंट फंड सिर्फ न्यू फंड आफर नहीं है। यूनियन रिटायरमेंट फंड का शुभारंभ एक सितम्बर, 2022 को होगा और इसका समापन 15 सितम्बर, 2022 को होगा। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए और उसके बाद एक रुपए के गुणकों में निवेश किया जा सकता है। आवंटन की तारीख 22 सितम्बर, 2022 को निर्धारित की गई है और यह योजना आगे की बिक्री और पुनर्खरीद के लिए 29 सितम्बर, 2022 को फिर से खुलेगी।(एजेंसी)

मुफ्त उपहारों का दिशाहीन वितरण अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक

■ विशेषज्ञों ने कहा, इस तरह की परंपरा से वैसे ही हालात पैदा हो सकते हैं जैसे श्रीलंका के मामले में हुए

नई दिल्ली (भाषा)।

विशेषज्ञों का कहना है कि मुफ्त उपहारों का दिशाहीन वितरण राज्यों के लिए नुकसानदायक हो सकता है और यह अर्थव्यवस्था पर वैसा ही प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है जैसा कि श्रीलंका के मामले में हुआ है।

विशेषज्ञों ने कहा कि मुफ्त उपहारों की व्याख्या करना और यह कल्याण के लिए होने वाले खर्च से किस तरह भिन्न है यह बताना जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने बीते शुक्रवार को कहा था कि करदाताओं के पैसों का इस्तेमाल करके दिया गया मुफ्त उपहार सरकार को 'आसन्न दिवालियेपन' की ओर ले जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर भारतीय अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) के अध्यक्ष प्रमोद भसीन ने कहा, 'ज्यादातर मुफ्त उपहार (यदि वे कोविड जैसे आपदा काल में नहीं दिए गए हों) जो जरूरतमंदों तक नही पहुंचे हों वे वित्तीय गलती होते हैं और इनके बड़े प्रतिकूल परिणाम होते हैं।

■ मुफ्त उपहारों की व्याख्या करने की सलाह भी विशेषज्ञों ने दी
■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, दिवालियेपन की तरफ ले जा सकता है करदाताओं के पैसों से फ्री गिफ्ट

ज्यादातर राज्यों और ज्यादातर सरकारों में ऐसे कदम उठाए जाते है।

उन्होंने कहा, 'मुफ्त उपहारों की व्याख्या करना और यह बताना जरूरी है कि ये कल्याण पर होने वाले खर्च से किस तरह अलग है।' इंस्टीट्यूट फार स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी) में निदेशक नागेश कुमार ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकारों को जिम्मेदार बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मुफ्त उपहार राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति के लिए नुकसानदायक है। जैसा कि श्रीलंका के मामले में देखा गया, राजकोषीय लापरवाही हमेशा संकट की ओर ले जाती है।'

बीआर आंबेडकर स्कूल आफ इकोनॉमिक्स के कुलपति एनआर भानुमूर्ति ने कहा, 'यह परिभाषित करना महत्वपूर्ण है कि मुफ्त उपहार क्या है और ये कल्याणकारी व्यय से कैसे भिन्न है। ऐसी नीतियां (मुफ्त उपहार) कई राज्यों में पहले से ही बिगड़ती सार्वजनिक ऋण की स्थिति को और बिगाड़ सकती है।'

यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 19 देशों में मुद्रास्फीति 9.1% पर

लंदन (एपी)।

यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 19 देशों में अगस्त के दौरान मुद्रास्फीति नए रिकार्ड 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संकट के कारण तेल और गैस की कीमतों में उछाल के चलते इन देशों में महंगाई दर बढ़ी है।

यूरोपीय संघ की सांख्यिकी एजेंसी की तरफ से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 19 देशों में वार्षिक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह जुलाई में 8.9 प्रतिशत पर थी।

पहली तिमाही में 13.5% रही जीडीपी वृद्धि दर

■ वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में 20 फीसद से ज्यादा थी वृद्धि दर

■ इक्रा ने जताया था 13% वृद्धि का अनुमान ■ स्टेट बैंक का वृद्धि दर अनुमान 15% था

नई दिल्ली (भाषा)।

देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के बुधवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2021-22) की अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 20.1 प्रतिशत रही थी। कई विश्लेषकों ने तुलनात्मक आधार को देखते हुए देश की आर्थिक वृद्धि दर दहाई अंक में रहने का अनुमान जताया था।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 13 प्रतिशत जबकि भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट में इसके 15.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने मौद्रिक नीति समीक्षा में 2022-23 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर करीब 16.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। चीन की वृद्धि दर 2022 की अप्रैल-जून तिमाही में 0.4 प्रतिशत रही है। इस मामले में भारत आगे है।

राजकोषीय घाटा पहले चार माह में वार्षिक लक्ष्य के 20.5% पर

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी जुलाई के अंत तक वार्षिक लक्ष्य के 20.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 21.3 प्रतिशत था। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा सार्वजनिक वित्त की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। व्यय और राजस्व के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई की अवधि में यह 3,40,831 करोड़ रुपए रहा है। राजकोषीय घाटा सरकार द्वारा बाजार से लिए गए कर्ज को भी दर्शाता है। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, कर समेत सरकार की प्राप्तियां पहले चार माह में 2022-23 के लिए बजट अनुमान के 7.85 लाख करोड़ रुपये या 34.4 प्रतिशत पर पहुंच गई है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान यह लगभग इतनी ही यानी 34.6 प्रतिशत पर थी।

किस क्षेत्र में कितनी तिमाही वृद्धि

उद्योग क्षेत्र	21-22	22-23
कृषि एवं वानिकी	4.5%	2.2%
खान एवं खनन	6.5%	18.0%
विनिर्माण	4.8%	49.0%
निर्माण	16.8%	71.3%
यूटिलिटी सेवा	14.7%	13.8%
होटल व परिवहन	25.7%	34.3%
वित्त एवं रियल्टी	9.2%	2.3%
रक्षा/लोक प्रशासन	26.3%	6.2%

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में धीमी पड़ कर 4.5 प्रतिशत पर

नई दिल्ली (भाषा)। आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में धीमी पड़कर 4.5 प्रतिशत रही। उत्पादन वृद्धि की यह दर छह महीने में सबसे कम है।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एक साल पहले इसी महीने में यह 9.9 प्रतिशत थी। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में 13.2 प्रतिशत, मई में 19.3 प्रतिशत, अप्रैल में 9.5 प्रतिशत, मार्च में 4.8 प्रतिशत, फरवरी में 5.9 प्रतिशत और जनवरी में चार प्रतिशत थी।

आंकड़ों के अनुसार आठ बुनियादी उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह अप्रैल-जुलाई में 11.5 प्रतिशत रही। एक साल पहले 2021-22 की इसी अवधि में यह 21.4 प्रतिशत थी।

आलोच्य महीने में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में क्रमशः 3.8 प्रतिशत और 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

15 सितम्बर को वित्त मंत्री करेंगी इकोनामी के हालात की समीक्षा

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करेंगी। वित्त मंत्री यह समीक्षा वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक में 15 सितम्बर को करेंगी।

सूत्रों ने बताया कि मुंबई में आयोजित होने वाली इस उच्चस्तरीय बैठक में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास समेत सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक शामिल होंगे। यह एफएसडीसी की 26वीं बैठक है। एफएसडीसी केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में क्षेत्रीय नियामकों का शीर्ष निकाय है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मौजूदा वैश्विक और घरेलू आर्थिक स्थिति और वित्तीय स्थिरता के मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। इसमें बैंकिंग और एनबीएफसी से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि परिषद वित्तीय क्षेत्र के विकास और व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ समावेशी आर्थिक वृद्धि हासिल करने के लिए जरूरी उपायों पर भी चर्चा करेगी। आरबीआई के अनुमान के मुताबिक, देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि खुदरा महंगाई दर 6.7 प्रतिशत पर रह सकती है।

आयातित वस्तुओं के लिए एक समान जांच प्रणाली

■ 5 सितम्बर से यह व्यवस्था शुरू करेगा कस्टम विभाग

नई दिल्ली (भाषा)।

सीमा शुल्क विभाग आयातित वस्तुओं को मंजूरी देने के लिए देश में मानकीकृत जोखिम आधारित ऐसी प्रणाली शुरू करेगा जिसमें आमना-सामना हुए बिना मूल्यांकन (फेसलेस मूल्यांकन प्रणाली) किया जाता है। इसकी चरणबद्ध शुरुआत पांच सितम्बर से धातु की आयातित वस्तुओं के साथ की जाएगी।

इससे सीमा शुल्क जांच में एकरूपता आएगी, माल की खेप को मंजूरी मिलने में लगने वाला समय कम होगा और कारोबारी सुगमता बढ़ेगी। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अधिकारियों के लिए जारी परिपत्र में कहा है कि नेशनल कस्टम्स टारगेटिंग सेंटर (एनसीटीसी) ने विभिन्न मानकों के आधार पर बिल आफ एंट्री (बीओई) के लिए प्रणाली जनित केंद्रीकृत जांच आदेश विकसित किया है और इसे चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा।

जोखिम आधारित यह जांच बीओई के लिए दूसरी जांच होगी। इसमें माल को भौतिक जांच के लिए भेजा जाना अनिवार्य नही होगा बल्कि सीमा शुल्क अधिकारी आयातित सामान का आकलन अधिकारियों के समक्ष जमा किए गए दस्तावेजों के आधार पर करेंगे। बीओई को आयातक या उनके एजेंट आयातित सामान के आने से पहले सीमा शुल्क विभाग में जमा करते है।

सीबीआईसी ने कहा, 'यह निर्णय हुआ है कि मानकीकृत सीमा शुल्क जांच प्रक्रिया की शुरुआत धातु की वस्तुओं के निरीक्षण के साथ पांच सितम्बर 2022 से शुरू की जाएगी।' इसमें कहा गया कि इससे जांच में एकरूपता आने, इसमें लगने वाला समय और लागत कम होने का अनुमान है।

ट्विन टावर का 30,000 टन कचरा रिसाइकिल होगा

नई दिल्ली (भाषा)। रिसस्टेनेबिलिटी नोएडा में ढहाए गए ट्विन टावर से उत्पन्न 30,000 टन कचरे का पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) करेगी। रिसस्टेनेबिलिटी को कचरे का पुनर्चक्रण करने के लिए तीन माह का ठेका मिला है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि कचरे को निर्माण सामग्री में बदला जाएगा। करीब 100 मीटर ऊंचे दो टावरों को रविवार को ढह दिया गया था। इसे ध्वस्त करने में 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। कंपनी ने कहा कि विध्वंस के 10 सेकंड के अंदर करीब 30,000 टन कचरा जमा हो गया।

बयान में कहा गया है कि एशिया की प्रमुख पर्यावरण प्रबंधन और सर्कुलर कंपनी रि सस्टेनेबिलिटी को निर्माण और विध्वंस कचरे के निपटान तथा कुशल अपशिष्ट संग्रह और पुनर्चक्रण की जिम्मेदारी दी गई है। कंपनी तीन महीने तक नोएडा के कचरा प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण संयंत्र में प्रतिदिन 300 टन कचरे का प्रसंस्करण करेगी। रिसस्टेनेबिलिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मसूद मलिक ने कहा कि कंपनी ने कचरे के पुनर्चक्रण और उसे निर्माण सामग्री में बदलने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ली है।

एसबीआई बेचेगा अनामिका कंडक्टर्स के एनपीए खाते

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 102 करोड़ रुपए का बकाया वसूल करने के लिए अनामिका कंडक्टर्स के गैरनिष्पादित आस्ति (एनपीए) खाते की सितम्बर माह में ई-बोली के जरिए बेचेगा।

अनामिका कंडक्टर्स पर 102.30 करोड़ रुपए बकाया है। एसबीआई ने ई-नीलामी के लिए 22.13 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य तय किया है और यह प्रक्रिया 28 सितम्बर, 2022 को होगी। एसबीआई ने कहा कि दबाव वाले कर्ज के स्थानांतरण की अपनी नीति के तहत वह अनामिका कंडक्टर्स के कर्ज खाते को स्थानांतरण के लिए रख रहा है।

किसी शहर के खास व्यंजनों को दूसरे शहर में भी पहुंचाएगी जोमैटो

नई दिल्ली (भाषा)। खानेपीने के सामान की आनलाइन डिलीवरी करने वाले मंच जोमैटो ने भारत के किसी भी शहर के विशिष्ट पकवान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के लिए एक पालयट परियोजना शुरू की है। कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपेंद्र गोयल ने यह जानकारी दी। गोयल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि जोमैटो अपनी 'इंटरसिटी लीजेंड्स' के जरिए उपभोक्ताओं को भारत में कही से भी विशिष्ट पकवान का आर्डर करने की सुविधा देने पर काम कर रही है। इन पकवानों में कोलकाता के बेक्ड रसगुल्ले, हैदराबाद की बिरयानी, बेंगलुरु का मैसूर पाक, लखनऊ के कबाब, पुरानी दिल्ली का बटर चिकन और जयपुर की प्याज कचोरी शामिल है। उन्होंने बताया कि इन पकवानों को आर्डर के अगले ही दिन डिलिवर किया जाएगा।

गोयल ने कहा कि इन खास पकवानों को जोमैटो ऐप पर 'इंटरसिटी लीजेंड्स' के जरिए आर्डर किया जा सकेगा और इनकी आपूर्ति विमान सेवा से होगी। उन्होंने बताया, 'व्यंजन ताजा-ताजा बनाया जाएगा और हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षित रखने के लिए इन्हें पुनःउपयोग करने योग्य सुरक्षित डिब्बों में रखा जाएगा।' उन्होंने बताया कि अभी इसे आरंभिक योजना के तौर पर गुरुग्राम और दक्षिण दिल्ली के कुछ हिस्सों के चुनिंदा ग्राहकों के लिए शुरू किया गया है।

अमेजन फ्रेश सुपर वैल्यू डेज सात सितम्बर से

नई दिल्ली (वार्ता)।

आनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डाटइन पर 7 सितम्बर तक सुपर वैल्यू डेज के दौरान ग्रोसरी की खरीद पर 45 प्रतिशत तक की बचत की पेशकश की गई है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि सुपर वैल्यू डेज के दौरान आसान डिलीवरी स्लाट के साथ ग्रोसरी की मनपसंद खरीदारी के लिए आनलाइन शार्पिंग का आनंद उठाएंगे। कस्टमर ग्रोसरी की जरूरी चीजों पर 45 प्रतिशत की छूट का आनंद ले सकते है और सिंगल आनलाइन डेस्टिनेशन से सुविधाजनक डिलीवरी आप्शन की मदद से दावत, कैडबरी, टाटा और नेस्ले सहित अन्य लोकप्रिय ब्रांडों के ग्रेट प्राइज और फ्रेस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

60% लोग इलाज कराने में करते हैं देरी

■ इलाज महंगा होने व हेल्थ इंश्योरेंस न होने पर ऐसा करने को होते हैं मजबूर

नई दिल्ली (भाषा)। देश में विभिन्न बीमारियों का उपचार महंगा होने तथा स्वास्थ्य बीमा नहीं होने से लोग इलाज में देरी करते हैं। जिनके पास स्वास्थ्य बीमा है, उनमें से कई उसे समझ पाने में कठिनाई महसूस करते हैं। एक अध्ययन में यह कहा गया है। प्रिस्टीन केयर डाटा लैब्स की बुधवार को जारी एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, करीब 60 प्रतिशत प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य बीमा नहीं होने के कारण बीमारी के इलाज में देरी की। वहीं जिनके पास चिकित्सा बीमा था, उसमें से 67 प्रतिशत ने उसे समझने में असमर्थता जताई।

स्टार्टअप कंपनी के एक अगस्त से 25 अगस्त, 2022 के बीच किए गए अध्ययन से पता चलता है कि बहुसंख्यक लोग स्वास्थ्य बीमा के तहत आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसे इलाज के दूसरे विकल्प चाहते हैं। प्रिस्टीन केयर के सहसंस्थापक हरसिमरबीर सिंह ने एक बयान में कहा, 'भारत में स्वास्थ्य बीमा पहुंच की दर सबसे कम है और कोविड-19 के कारण बीमारी के इलाज का खर्च बढ़ा है। इससे लोग सर्जरी में देरी कर रहे हैं। हालांकि, कुछ सर्जरी ऐसी होती है, जिसे व्यक्ति को जरूरत के अनुसार कराने की आवश्यकता होती है। इससे जीवन के लिए खतरा तो नहीं हैं, लेकिन किसी भी तरह की देरी जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।'

सर्वेक्षण पर आधारित अध्ययन के अनुसार, देश में बीमारी के इलाज की बढ़ती लागत को देखते हुए करीब 60 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे स्वास्थ्य बीमा नहीं होने से इलाज में देरी कर रहे हैं।

भारत से खाद्य वस्तुओं के आयात का पाक का इरादा

■ इसके लिए गठबंधन के सहयोगियों से बात करेगी सरकार

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने बुधवार को कहा कि सरकार अपने गठबंधन सहयोगियों तथा अहम हितधारकों से विचारविमर्श करने के बाद भारत से वस्तुओं के आयात के बारे में सोचेगी। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में बाढ़ की वजह से हालात खराब है और खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे है। भारत से खाद्य वस्तुओं के आयात के बारे में वित्त मंत्री ने अपने विचार पहली बार सोमवार को जताए थे।

इस्माइल ने ट्वीट किया, 'एक से अधिक अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने सरकार से संपर्क करके जमीनी सीमा के रास्ते भारत से खाद्य वस्तुएं लाने की इजाजत मांगी है। आयात को मंजूरी देने के बाबत फैसला आपूर्ति की कमी को देखते हुए लिया जाएगा। इससे पहले गठबंधन सहयोगियों और महत्वपूर्ण हितधारकों से बात की जाएगी।'

रिलायंस ने कोल्ड ड्रिंक ब्रांड कैम्पा का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली (भाषा)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने दिल्ली स्थित प्योर ड्रिंक्स ग्रुप से घरेलू कोल्ड ड्रिंक ब्रांड कैम्पा का अधिग्रहण किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि रिलायंस ने इस सप्ताह ही दैनिक उपयोग के सामान यानी एफएमसीजी क्षेत्र में उतरने की घोषणा की थी।

सूत्रों के मुताबिक, यह सौदा करीब 22 करोड़ रुपए में होने का अनुमान है और रिलायंस रिटेल वेंचर्स इसे दिवाली के आसपास स्थानीय बाजारों में पेश करेगी। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने पहले ही अपने चुनिंदा स्टोरों पर इसके तीन संस्करण - कोला, नारंगी और नींबू फ्लेवर पेश किए है।

वर्ष 2030 तक 900 अरब डालर का होगा ईबी2बी बाजार

■ वर्ष 2021 में 50 अरब डालर था कारोबार ■ इससे देश में खुदरा व्यापार अवसर भी बढ़ेंगे

मुंबई (भाषा)।

भारत में गहरी होती पैठ और कई अन्य सकारात्मक कारकों की वजह से यहां का 'ईबी2बी' बाजार सकल व्यापारिक मूल्य के लिहाज से वर्ष 2030 तक बढ़कर 90-100 अरब डालर तक हो सकता है। 2021 तक यह 50 अरब डालर का था। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

रणनीति परामर्श कंपनी रेडसीर की रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि भारत में बी2बी (कंपनियों के बीच) के सामान्य खुदरा व्यापार अवसर भी 2030 तक बढ़कर 1,200 अरब डालर के हो जाएंगे और इसमें 'ईबी2बी' क्षेत्र की हिस्सेदारी आठ प्रतिशत रहेगी।

इसमें कहा गया कि ईबी2बी ने (आफलाइन) बाजारों में अच्छीखासी हिस्सेदारी पर 'कब्जा' कर लिया है और खुदरा कारोबारियों को इसके और बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह यह है कि 50 प्रतिशत गैरउपयोगकर्ता आने वाले दिनों में ऐसे मंचों का रुख कर सकते है।

रेडसीर ने कहा कि ऐसे बाजार जहां अब तक समुचित पहुंच नहीं बन पाई है वहां पैठ बनाने के लिए ब्रांड ईबी2बी को अपना रहे हैं। वे या तो अपने मौजूदा वितरण नेटवर्क में इसे जोड़ रहे है या फिर गैरप्रभावी परंपरागत वितरकों की जगह ईबी2बी को ला रहे है। रेडसीर स्ट्रेटेजी कंसल्टेंट्स में साझेदार मृगांक गुटगुटिया ने कहा, 'खुदरा व्यापारियों, ब्रांड और विनिर्माताओं ने ईबी2बी बाजार की संभावना को महसूस किया है। ईबी2बी खुदरा व्यापारियों और ब्रांड को दैनिक व्यावसायिक समस्याओं का समाधान देने में भी मददगार है।

सुपर-4 में पहुंची भारतीय टीम

एशिया कपः हॉन्ग कॉन्ग को 40 रन से हराया

दुबई। भारत ने मैन ऑफ द मैच सूर्यकुमार यादव (68 नाबाद) और विराट कोहली (59 नाबाद) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत बुधवार को एशिया कप 2022 में हॉन्ग कॉन्ग को 40 रन से हराकर सुपर-4 में प्रवेश किया। भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को 193 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग 152 रन ही बना सकी।

भारत के लिए मैच के स्टार सूर्यकुमार यादव रहे, जिन्होंने सिर्फ 26 गेंदों पर छह चौके और छह छक्के जड़ते हुए 68 रन बनाकर हॉन्ग कॉन्ग के छक्के छुड़ा दिए। इसके अलावा विराट कोहली ने भी 44 गेंदों पर 59 रन बनाकर छह महीने बाद पचास रन के आंकड़े को छुआ। हॉन्ग कॉन्ग ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कप्तान रोहित शर्मा ने 21(13) रन बनाकर लोकेश राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की। राहुल ने विकेट पर संघर्ष करते हुए 36(39) रन बनाये। 13वें ओवर में 94 रन पर राहुल का विकेट गिरने के बाद कोहली और सूर्यकुमार ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 98 रन जोड़े। कोहली ने अपनी पारी में पावर-हिटिंग करते हुए तीन गगनचुंबी छक्के लगाए। दूसरी ओर, विस्फोटक बल्लेबाजी की पराकाष्ठा पर पहुंचे सूर्यकुमार ने 261.54 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने हारून अरशद के आखिरी ओवर में चार छक्के जड़ते हुए 26 रन बनाये और भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 76 रन जोड़कर 20 ओवर में 192 रन बनाये। हॉन्ग कॉन्ग ने 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान निजाकत खान (10) और यसिम मुर्तजा (09) का विकेट न्यून स्कोर पर गंवा दिया। बाबर हयात ने 35 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की बदौलत 41 रन की जुझारू पारी खेली, जबकि किंचित शाह ने 30(28) रन बनाए। जीशान अली और स्कॉट मकैनी ने मिलकर आखिरी 17 गेंदों में 36 रन जोड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और हॉन्ग कॉन्ग 20 ओवर में 152 रन ही बना सकी। भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया। चार ओवर में 18 रन देने वाले युजवेंद्र चहल को कोई विकेट हासिल नहीं हुआ, हालांकि आवेश (चार ओवर, 53 रन) और अर्शदीप (चार ओवर, 44 रन) महंगे साबित हुए। कोहली ने भी इस मैच में एक ओवर डाला और मात्र छह रन दिए। इस जीत के साथ भारत ने सुपर-4 में जगह बना ली है, जहां उसका मुकाबला रविवार को पाकिस्तान या हॉन्ग कॉन्ग में से किसी एक से होगा।

स्कोर बोर्ड

भारतीय टीम	रन	गेंद	4/6
राहुल कै. मैक्केनी बो. गजनफर	36	39	0/2
रोहित शर्मा कै. एजाज बो. शुक्ला	21	13	2/1
विराट कोहली नाबाद	59	44	1/3
सूर्यकुमार यादव नाबाद	68	26	6/6

अतिरिक्तः 8, कुलः 20 ओवर में दो विकेट पर 192 रन **विकेट पतनः** 1-38, 2-94, **गेंदबाजीः** अरशद मोहम्मद 3-0-53-0, आयुष शुक्ला 4-0-29-1, एहसान खान 4-0-26-0, एजाज खान 3-0-37-0, यासिम मुर्तजा 4-0-27-0, मोहम्मद गजनफर 2-0-19-1,

हॉन्गकॉन्ग टीम	रन	गेंद	4/6
निजाकत रन आउट	10	12	1/0
मुर्तजा कै. आवेश बो. अर्शदीप	09	09	2/0
बाबर हयात कै. आवेश बो. जडेजा	41	35	3/2
किंचित कै. बिश्नोई बो. भुवनेश्वर	30	28	2/1
एजाज खान बो. आवेश	14	13	2/0
जीशान अली नाबाद	26	17	2/1
स्कॉट नाबाद	16	08	2/1

अतिरिक्तः 06, कुलः 20 ओवर में पांच विकेट पर 152 रन **विकेट पतनः** 1-12, 2-51, 3-74, 4-105, 5-116, **गेंदबाजीः** भुवनेश्वर कुमार 3-0-15-1, अर्शदीप सिंह 4-0-44-1, रवींद्र जाडेजा 4-0-15-1, आवेश खान 4-0-53-1, युजवेंद्र चहल 4-0-18-0, विराट कोहली 1-0-6-0,

कोहली व सूर्यकुमार ने 45 गेंदों पर 98 रन जोड़े

कोहली बने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा अर्धशतक बनाने वाले खिलाड़ी : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एशिया कप में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ अर्धशतक जड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा पचासे बनाने के मामले में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में विराट का 31वां अर्द्धशतक था, जबकि रोहित इस प्रारूप में 27 अर्द्धशतक और चार शतक जमा चुके हैं। रोहित और कोहली के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 30 बार पचास रन के आंकड़े को नहीं छुआ है। दूसरी ओर, 15 बार से ज्यादा बार 50 रन बना चुके खिलाड़ियों ने कम से कम एक शतक जड़ा है, जबकि कोहली को अब भी अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का इंतजार है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 194 दिनों के बाद अर्धशतक जड़ा।

टी20 में 3500 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने रोहित शर्मा : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3500 रन बनाने वाले दुनिया के पहले पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने हांगकांग के खिलाफ एक रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की। रोहित ने 32.11 की औसत यह रन बनाए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट सूजी बेट्स ने अपने नाम की है। रोहित पाकिस्तान के खिलाफ एक रन से इस उपलब्धि को हासिल करने से चूक गए थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बलेबाजों की सूची में रोहित के बाद न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल दूसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 3497 रन है। गुप्टिल ने 31.79 की औसत से ये रन बनाए हैं। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 3343 रनों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

धीमी ओवर गति के लिए भारत और पाकिस्तान पर जुर्माना

भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर एशिया कप में रविवार को खेले गये ग्रुप-ए मैच में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। रोहित शर्मा और बाबर आजम की टीम ने निर्धारित समय में दो-दो ओवर कम डाले थे, जिसके बाद आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने दोनों टीमों पर उनकी मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाने का निर्णय लिया।

जापान ओपनः किदांबी श्रीकांत ने प्री-क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई

लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल बाहर

ओसाका। विश्व के पूर्व नंबर एक शटलर किदांबी श्रीकांत ने जापान ओपन में बुधवार को अपने अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पुरुष एकल के प्री-क्वॉर्टरफाइनल में जगह बनाई, जबकि उनके हमवतन लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए।

श्रीकांत ने सुपर 750 टूर्नामेंट में ऑल इंग्लैंड चैंपियन मलेशिया के ली जी जिया को 22-20, 23-21 के सीधे गेमों में हराकर दूसरे दौर में कदम रखा। अब शीर्ष-16 राउंड में उनका सामना जापान के कांता सुनेयामा से होगा। श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, यह एक करीबी मैच था जो किसी भी तरफ जा सकता था, लेकिन मैं अपने खेल से खुश हूं। इतने बड़े मंच पर मैचों को सही तरह समाप्त करना जरूरी है, क्योंकि हर मैच मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा, मैं पहले गेम में 16-12 से आगे चल रहा था, लेकिन बाद में आवश्यकता से ज्यादा पॉइंट देने के कारण 20-18 से पिछड़ गया। मैंने अपने आप को समझाया कि मुझे नियमित रहना है और आसानी से पॉइंट नहीं देने। मुझे जीतकर हमेशा खुशी होती है और अब मैं वापस जाकर सोचूंगा कि अपने अगले प्रतिद्वंदी को कैसे हराऊं। इसी बीच, राष्ट्रमंडल खेल 2022 के गोल्ड मेडलिस्ट लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो से 21-18, 14-21, 13-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

नेहवाल को यामागूची के हाथों मिली हार

लंदन ओलंपिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल को विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागूची के हाथों 9-21, 17-21 से हार मिली। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को कोरिया के चोई सोई ग्यु और किम वोन हो के हाथों 21-19, 21-23, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता महिला युगल जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद को थाईलैंड की जोंगकोलफान कितिथाराकुल और रविंदा प्राजोंगजाई ने 21-17, 21-18 से मात दी। दिन के आखिरी मुकाबले में कृष्णा प्रसाद गरगा और वी वी पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी फ्रांस के क्रिस्टोव पोपोव और टोमा पोपोव से 21-18, 21-17 से हारकर जापान ओपन से बाहर हो गए।

जर्मनी की एंड्रिया पेटकोविच ने टेनिस से लिया संन्यास

न्यूयॉर्क। जर्मनी की एंड्रिया पेटकोविच ने यूएस ओपन में स्विस ओलंपिक चैंपियन बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ मुकाबला 6-2, 4-6, 6-4 से हारकर टेनिस को अलविदा कह दिया। पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी और फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट पेटकोविच ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि न्यूयॉर्क ग्रैंड स्लैम उनका आखिरी मेजर टूर्नामेंट होगा, हालांकि वह दोस्तों और परिवार को अपना खेल देखने का अंतिम मौका देने के लिए यूरोप में एक छोटे से कार्यक्रम में एक बार फिर टेनिस खेलती दिखाई दे सकती हैं। पहले दौर की हार के बाद पेटकोविच ने कहा, मैं पिछले पांच दिनों में वास्तव में खराब दौर से गुजरी हूं। पेटकोविच ने कहा कि वह शुरू में कुछ सप्ताह पहले अपनी संन्यास की घोषणा करना चाहती थीं, लेकिन यह विचार उन्होंने तब छोड़ दिया, जब अमेरिकी आइकन सेरेना विलियम्स ने कहा कि यूएस ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को मिली अजेय बढ़त

दूसरे वनडे में आठ विकेट से शिकस्त दी

टाउन्सविल। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एक दिवसीय मैच में बुधवार को मिचेल स्टार्क (तीन विकेट) और एडम जैम्पा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने इनोसेंट काइया (02), तदिवनाशे मारुमानी (04) और वेस्ले माधेवेरे (शून्य) को आउट कर जिम्बाब्वे के ऊपरी क्रम की कमर तोड़ दी। शॉन विलियम्स ने 29(45) रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन जम्पा ने उनके साथ ल्यूक जॉन्गवे (01) और ब्रैड इवान्स (02) का विकेट लेकर जिम्बाब्वे की पारी को 96 रन पर समेटा दिया। स्टार्क और जम्पा के साथ-साथ कैमरन ग्रीन ने दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने 97 रन के लक्ष्य को महज 14.4 ओवर में हासिल कर लिया। वॉर्नर (13) और आरोन फिंच (01) जल्दी आउट हो गए, लेकिन स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी की नाबाद 84 रन की साझेदारी की बदौलत कंगारुओं ने आठ विकेट से मैच जीत लिया। स्मिथ ने 48 रन बनाए और कैरी ने 26 रन का योगदान दिया। मिचेल स्टार्क को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगे बांग्लादेश और श्रीलंका

दुबई। श्रीलंका और बांग्लादेश एशिया कप 2022 में गुरुवार को करो या मरो मुकाबले में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। दोनों ही टीमों को ग्रुप-बी के अपने पहले मैच में अफगानिस्तान के हाथों हार मिली है। अफगानिस्तान दो जीतों के साथ इस समूह से सुपर-4 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है, और अब श्रीलंका और बंगलादेश दूसरी टीम बनने की दावेदारी पेश करेंगी। श्रीलंका को जहां अपने पहले मैच में ऊपरी क्रम की बल्लेबाजी ने निराश किया था, वहीं बंगलादेश को डेथ ओवर में खराब गेंदबाजी के कारण हार मिली थी। श्रीलंकाई कप्तान दसुन शनाका दुबई की धीमी पिच पर टीम के स्पिन गेंदबाजों पर भरोसा करना चाहेंगे। ऐसे में वानिंदु हसरंगा का साथ देने के लिये प्रमोद जयविक्रमे और जेफरी वैंडरसे में से कोई एक, या दोनों टीम में शामिल हो सकते हैं। हरफनमौला धनंजय डी सिल्वा भी श्रीलंका के एकादश में जगह बना सकते हैं। उनकी उपस्थिति मध्यक्रम में जान डालेगी, और उनकी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी बांग्लादेश के लिये संकट भी साबित हो सकती है। दूसरी ओर, बंगलादेश चाहेगी कि वह कप्तान शाकिब अल-हसन की वापसी पर अपनी पहली जीत दर्ज करे। इस मैच में सभी की नजरें मोसद्देक हुसैन पर होंगी, जिन्होंने पहले मैच में 48 (31) रन की पारी खेलने के बाद 2.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर एक विकेट झटका था। इसके अलावा कप्तान शाकिब को युवा गेंदबाज मोहम्मद सैफुद्दीन से उम्मीदें होंगी, जिन्होंने अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी को आउट किया था। यह मैच गुरुवार, एक सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 07:30 बजे खेला जाएगा।

डी ग्रैंडहोम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

चोट और तीनों प्रारूपों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लिया फैसला

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बताया कि 36 वर्षीय डी ग्रैंडहोम ने इस सप्ताह बोर्ड के साथ चर्चा के बाद एक प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने का फैसला किया।

डी ग्रैंडहोम ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन समय में न्यूजीलैंड को नंबर एक वनडे टीम बनते हुए और विश्व कप 2019 के फाइनल में पहुंचते हुए देखा। जिम्बाब्वे मूल के कीवी खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने कई कारणों से यह निर्णय लिया, लेकिन उनकी चोट और तीनों प्रारूपों में स्थानों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा उनमें से एक थे। उन्होंने कहा, मैं स्वीकार करता हूं की मेरी उम्र कम नहीं हो रही, और प्रशिक्षण भी मुश्किल होता जा रहा है, खासकर चोटों के कारण। डी ग्रैंडहोम ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे 2012 में पदार्पण करने के बाद से ब्लैककैप्स के लिए खेलने का अवसर मिला। ग्रैंडहोम टेस्ट क्रिकेट में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ अलविदा कह रहे हैं। उन्होंने 29 मैचों में 38.40 की औसत से 1432 रन बनाए। वहीं 32.95 की औसत से 49 विकेट झटके, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू पर लिए गए छह विकेट शामिल हैं। वह एकदिवसीय प्रारूप में भी उन्होंने 45 मैचों में 742 रन बनाए और 30 विकेट लिए। 41 टी20 मैच खेलते हुए 138.35 के स्ट्राइक-रेट से 505 रन बनाए और 38.41 की औसत (8.61 की इकोनॉमी दर) पर 12 विकेट लिए।

करियर की सर्वश्रेष्ठ टी-20 रैंकिंग पर हार्दिक

आठ पायदान की छलांग लगाई

दुबई। भारत के विस्फोटक ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगाई है।

आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार ऑलराउंडर रैंकिंग में क्रिकेट के कई धुरंधरों ने सुधार किया, परंतु पांड्या आठ पायदान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। पांड्या इस समय 167 रेटिंग के साथ आईसीसी रैंकिंग में पांचवें पायदान पर हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी 257 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर हैं। पांड्या ने पाकिस्तान के खिलाफ गेंद से 25 रन के बदले तीन विकेट चटकाए, और बल्लेबाजी में 17 गेंदों पर 33 रन मार कर भारत को जीत दिलाते हुए यह साबित कर दिया कि आने वाले टी-20 विश्व कप अभियान में वह टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण रहेंगे। दूसरी ओर, एशिया कप में अफगानिस्तान की शानदार शुरुआत की बदौलत कई खिलाड़ियों की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है। राशिद खान (708 पॉइंट) गेंदबाजों की सूची में दो पायदान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर आ गये हैं, जबकि उनके हमवतन मुजीब उर रहमान (660) सात पायदान बढ़ते हुए नौंवे नंबर के टी20 गेंदबाज बन गए हैं।

द. अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। मेजबान ने तीसरे टेस्ट के लिए टीम में उन सभी खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जोकि दूसरे टेस्ट का हिस्सा थे।

दोनों टीमों के बीच अंतिम टेस्ट लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट पारी और 12 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मे बेहतरीन वापसी करते हुए पारी और 85 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया था। दोनों टीमों के इस समय सीरीज में 1-1 की बराबरी पर है।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीमः बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), जैक लीच, एलेक्स लीज, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पॉट्स, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, जो रूट।

न्यूजीलैंड ए और भारत ए के बीच आज से होगी पहले टेस्ट की शुरुआत

बेंगलुरु। भारत ए की टीम जब गुरुवार से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनधिकृत टेस्ट के लिए मैदान पर उतरेगी तो सरफराज खान की निगाहें घरेलू सर्किट के अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े स्कोर में बदलने पर लगी होंगी। न्यूजीलैंड ए की टीम में कम से कम आधा दर्जन खिलाड़ी ऐसे हैं जो पिछले कुछ वर्षो में किसी न किसी प्रारूप में सीनियर राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वे घरेलू टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। वहीं भारतीय टीम में ज्यादातर खिलाड़ी उस टीम के हैं जिसने पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका में ए श्रृंखला खेली थी और वे टेस्ट टीम के लिये उम्मीदवारी क्रम में अपना स्थान मजबूत करना चाहेंगे। इसमें सबसे अधिक ध्यान सरफराज की ओर रहने की उम्मीद है क्योंकि कुछ महीने पहले ही उन्होंने इसी स्थल पर रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ा था। टीम में चुने गए खिलाड़ियों में कुछ या तो घरेलू सर्किट पर खुद को साबित कर चुके हैं या फिर कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं जो पिछली बार लाल गेंद के घरेलू सत्र में नहीं खेलने के कारण लय हासिल करना चाहेंगे। लेकिन मुंबई के सरफराज आकर्षण का केंद्र इसलिए भी होंगे क्योंकि रणजी ट्रॉफी सत्र में करीब 1000 रन के बाद वह सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की कतार में सबसे आगे हैं।

बजट में रहकर घूमना है बाली तो इन टिप्स की लें मदद

घूमना अधिकतर लोगों को पसंद होता है, लेकिन वह सिर्फ इसलिए अपना ट्रिप कैंसिल कर देते हैं, क्योंकि इसमें बहुत अधिक खर्चा आता है। खासतौर से, अगर बात विदेश घूमने की हो, तो उसकी तो टिकट ही लाखों की होती है। हो सकता है कि आप भी कुछ ऐसा ही सोचते हों। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप बजट में विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो बाली जाना अच्छा विचार हो सकता है। बाली लोगों के लिए हॉट ट्रेवल डेस्टिनेशन बन चुका है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बजट में रहकर बाली घूमने के कुछ आइडियाज के बारे में बता रहे हैं-

ऑनलाइन करें बुकिंग- बाली उन जगहों में से एक है जहां आपके आने से पहले सब कुछ ऑनलाइन बुक करना बहुत सस्ता हो सकता है। यह देखने में आता है कि कुछ लोग घूमने जाने से एक-दो दिन पहले बुकिंग करते हैं। जबकि आप कोशिश करें कि आप एक दो महीने पहले ही बुकिंग कर लें। ऐसे में आपके लिए उस टाइम के लिए टिकट बुक कर सकती है, जब दाम काफी कम हों। साथ ही, ऑनलाइन डील के जरिए आप काफी हद तक अपना पैसा भी बचा सकते हैं। आप चाहें तो सिर्फ टिकट ही नहीं, होटल बुकिंग कर-के अपने स्टे पर भी एक अच्छी डील प्राप्त कर सकते हैं।

लोकल मार्केट से खाएं फूड- आप जिस होटल में रूके हैं, वहां पर फूड ऑर्डर करते हैं या फिर किसी खास रेस्त्रां में जाकर भोजन करते हैं तो यह आपके लिए थोड़ा महंगा साबित हो सकता है। बेहतर होगा कि आप लोकल मार्केट को एक्सप्लोर करें। यह काफी सस्ती होती हैं और यहां पर आपको बाली के लोकल फूड को चखने का भी मौका मिलता है। बाली में जल्दी सुबह और देर रात लगने वाली लोकल मार्केट में आपको खाने-पीने के अलावा बजट में शॉपिंग करने का भी मौका मिलेगा।

स्कूटर किराए पर लें- अगर आप बाली को कम बजट में एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक स्कूटर किराए पर ले लें। यूं तो आपको बाली में कैब या गाड़ी बुक करने में कोई परेशानी नहीं होगी। लेकिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट बाली में आपको बहुत अधिक महंगा पड़ सकता है। अगर आपको ड्राइविंग आती है तो किराए पर स्कूटर लेकर आप बेहद आसानी से बाली की गलियों में घूम सकते हैं और अपने पैसे बचा सकते हैं।

यूएस ओपनः नडाल व अल्कराज दूसरे दौर में पहुंचे

वीनस को लगातार दूसरी बार पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन के चार बार के चैंपियन राफेल नडाल ने यूएस ओपन 2022 के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजीकाटा को हराकर दूसरे दौर में कदम रखा।

सिनसिनाटी ओपन के पहल दौर में हारकर बाहर हुए नडाल को इस मैच में अपनी लय हासिल करने में समय लगा, लेकिन उन्होंने हिजीकाटा को 4-6, 6-2, 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलियन ओपन और फ्रेंच ओपन खिताब जीत चुके नडाल के लिए यह साल अच्छा रहा है, हालांकि विंबलडन के सेमीफाइनल में चोटिल होकर बाहर होने कारण वह साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से चूक गये थे। साथ ही वह इस साल एक भी ग्रैंड स्लैम मुकाबला नहीं हारे हैं। दूसरे दौर में नडाल का सामना इटली के फेबियो फोगनिनी से होगा। दूसरी ओर, नडाल के हमवतन कार्लोस अल्काराज ने उनके प्रतिद्वंदी अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज के चोटिल होने के बाद दूसरे दौर में कदम रखा। स्पेन के 19 वर्षीय खिलाड़ी आर्थर ऐश स्टेडियम में 7-5, 7-5, 2-0 से आगे चल रहे थे, तभी सेबेस्टियन चोटिल होकर रिटायर हो गये और अल्काराज ने दूसरे दौर में जगह बनायी। अल्काराज दूसरे दौर में अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया से भिड़ेंगे। दिग्गज खिलाड़ी वीनस विलियम्स को यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। वीनस को एलिसन वैन उयतवांक से 6-1, 7-6 (5) से हार झेलनी पड़ी। सेरना जहां संन्यास लेने की बात कर चुकी है वहीं वीनस ने अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। वीनस 2020 से पहले कभी यूएस ओपन के पहले दौर में बाहर नहीं हुई थी।

राडुकानु और ओसाका बाहर

यूएस ओपन 2021 की चैंपियन और 11वीं सीड ब्रिटेन की एमा राडुकानु बड़े उलटफेर में फ्रांस की एलीजे कॉर्नेट से पहले दौर में हारकर यूएस ओपन 2022 से बाहर हो गई हैं। कॉर्नेट ने राडुकानु को 6-3, 6-3 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में कदम रखा, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा से होगा। दूसरी ओर, अमेरिका की डेनियेल कॉलिन्स ने दो बार की चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका को पहले दौर में हराकर बाहर किया। कॉलिन्स ने पूर्व नंबर एक ओसाका को 7-6(5), 6-3 से मात दी। यह कॉलिन्स की ओसाका पर पहली जीत है, जबकि इससे पहले तीन बार उन्हें हार मिली है। कॉलिन्स अब अगले दौर में स्पेन की क्वालीफायर क्रिस्टीना बुक्सा का सामना करेंगी। उन्होंने जीत के बाद कहा, जब आप किसी से तीन बार हारते हैं, तो आपको इस बारे में काफी जानकारी मिल जाती है कि आप क्या बेहतर कर सकते हैं। नाओमी जिस स्तर की खिलाड़ी हैं, उन्होंने बेशक मुझे पिछली बार पछाड़ दिया था। मुझे बस उससे सीख लेनी थी और अपने खेल में बदलाव करने थे, जो मेरे अनुसार मैंने किया।

घर को सजाए ऐसे कि दीवारें बोल पड़े वाह...

अधिकांश लोगों का मानना होता है कि घर बड़ा हो या फिर महंगी चीजों और बड़े-बड़े सामानों से ही घर की सजावट होती है। लेकिन घर को सजाने के लिए छोटी से छोटी चीज भी बड़ी मायने रखती है और घर छोटा हो या बड़ा उसकी सजावट का लेकर हर किसी के मन में उथल-पुथल मची ही रहती है। घर को सजाने का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है उसका रंग। रंगों से आप अपने घर को जैसा चाहे वैसा लुक दे सकते है। रंग बड़े घर को छोटा और छोटे घर को बड़ा बना सकते है। लेकिन इसके साथ ही कई ऐसे विकल्प भी है जिनसे आप छोटे से घर को एक एक्सपेंसिव लुक दें सकते हैं। अधिकांश छोटे घरों में दो रूम, किचन, बाथरूम, लिविंग रूम और गार्डन होता है। बड़े घरों को डेकोरेट करना फिर भी आसान होता है। लेकिन छोटे घरों को सजाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन आजकल स्पॉट पेंट का स्टाइल है उससे दीवार पर फोटो फेम या किसी भी तरह की पेटिंग लगाने की कोई जरूरत महसुस नहीं होती है। लेकिन आप निम्न बातों के साथ आपने घर को एक डिफरेंट लुक दे सकते हैं:-

रंगों का भी रखें ख्याल

रंग तो कई होते हैं पर आपकी पसंद ही यह निश्चित करती है कि आखिर में कमरा कितना बड़ा या छोटा दिखेगा। गहरे रंग जीवंतता का भाव पैदा करते हैं, लेकिन निश्चित रूप से कमरे को छोटे दिखाते हैं, खासकर तब जब कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन की कमी हो कूल और हल्के रंगों से इसके विपरीत कमरा बड़ा और अधिक खुला दिखता है, जिससे आप उसे अच्छे से डेकोरेट कर पाएगें। घर छोटा हो तो जाहिर है ज्यादा सामान मुसीबत बन जाता है। घर के एक-एक इंच कोने का इस्तेमाल स्मार्ट तरीके से करें। इनमें जो भी सामान रखें वो सलीके से, ताकि जगह का भी इस्तेमाल हो और देखने में भी बुरा न लगे। इस तरह से आप अपने छोटे से घर को भी बेहतर ढ़ग से सजा सकते है और उसके लुक को एक बेहतरीन, शाही, एक्सपेंसिव और खूबसूरत लुक देने के साथ उसकी सजावट का सकते है। जिसे देखकर कोई भी वाह किया बिना नहीं रह सकेगा।

कुशंस से भी सजाएं

मार्केट में कुशंस की काफी वैराइटीज मौजूद है, जैसे-सिल्क, कॉटन, पॉली सिल्क, सिंथेटिक, हाथों से बनाई, मशीन से बनाई, मशीन की सजावट से प्रिंटिट या ब्लॉक प्रिंटिट और केवल प्रिंटिट वाले भी मौजूद हैं। डिफरेंट फेब्रिक के डिजाइन उपलब्ध हैं। जिसे आप आसानी से मिक्स और मैच करके इस्तेमाल करके अपने घर की खूबसूरती बढ़ा सकते हैं। कोटन, सिल्क और पॉलिस्टर के कुशंस सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कोटन कुशंस खासतौर से गर्मी के मौसम में लगाए जाते हैं। सिंथेटिक, जार्जेट सर्दियों के मौसम में इस्तेमाल किए जाने वाले फेब्रिक में आता है। टिशु, वूल, नाइलोन, लेस और वेलवेट के कुशंस रूम को एक हाई प्रोफाइल लुक देते हैं। कुशन की बनावट बहुत तरीकों से की जाती है, जैसे-जरदोजी, एम्ब्रॉयडरी, एपीक्यू, प्रिंटिंग, पेंटिंग आदि जिससे उसकी बनावट में तो चार-चांद लगते ही हैं, साथ ही आपके घर के इंटीरियर को भी एक हाई लुक के साथ-साथ शानदार लुक भी मिल जाता है। कुशंस से इस तरह सजाए **अपने घर को:-**

बड़े कुशन को पीछे रखते हुए उससे छोटे को आगे घटते क्रम में लगाकर रखने से बेड और सोफे का लुक डिफरेंट दिखने के साथ ही आपके डेकोरेटिव कुशन के कपड़े और रंग को भी आसानी से देखा जा सकता है।

डेकोरेटिव कुशंस रूम की शोभा को बढ़ाने के साथ उसे एक डिफरेंट लुक भी देते हैं। खासतौर से खिड़कियों के पास बैठने की जगह पर रखकर, आप उस साइड प्लेस को भी एक आकर्षित लुक दे सकते हैं। इस तरह के कुशन को आप जब पढ़ रहे हों तो सपोर्ट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं, साथ ही इसे आप रात को बैठकर रूम में बात करते समय साइड सपोर्ट के लिए भी उपयोग कर सकते हैं। रेडिमेड कुशंस की भी मार्केट में काफी वैराइटीज देखी जा रही है। उनमें से नेट और टिशू के फेब्रिक से बने कुशंस देखने में काफी सुंदर लग रहे हैं। धागों से बनी एम्ब्रॉयडरी एक अलग लुक देती है। झालर और सिक्योस लगे रेडिमेड कुशंस और भी सुंदर लगते हैं और एक शाही लुक देते हैं। साथ ही लेदर, साटन, सिल्क, जार्जेट, सिंथेटिक, कॉटन, पॉलिस्टर, जार्जेट मिक्स सिल्क, प्लास्टिक, कॉटन मिक्स सिंथेटिक आदि कई तरह के कुशंस मौजूद हैं।

बेडरूम घर का सबसे सुकून देने वाला स्थान होता है। इसलिए उसकी सजावट और बनावट घर के और स्थानों से अधिक ध्यान देकर बनाई जाती है। बेडरूम में कुशंन से सजावट करते समय यह जरूर ध्यान दें कि जिस रंग की बेडसीट हो, उसी रंग का कुशन या उससे मिक्स मैच करता हुआ ही कुशन रखें। बेड को आप रंगों से भर सकते हैं, जैसे-ब्राउन, रेड और कॉपर के रंग। कुछ गहरे रंग और कुछ डिजाइन या डेकोरेट होते लेकिन ये सब एक-दूसरे के साथ जुड़े होने चाहिए।

अलग-अलग तरह आकार और रंगों के कुशन लेकर उसे सोफे या बेडरूम या फिर साइड कॉर्नर में डिफरेंट तरीके से सजा दें, जिससे देखने वाले को वे अपनी ओर तो आकर्शित करेगा ही, साथ ही डिजाइनर लुक भी देगा। इसके लिए आपको चाहिए कि आप सारी अलग-अलग वैराइटीज के कुशंस लें, जैसे-लेदर, सिल्क और कॉटन के कपड़े के साथ डिफरेंट रंगों और डिजाइनों के फेब्रिक लें।

हर रूम कुछ कहता है

डोर को इस स्टाइल से सजाएं कि वो देखने में अट्रैक्टिव लगे और भरा-भरा सा भी। दीवारों की साइड आप लकड़ी की सीढ़ी स्टाइल के बुकशेल्फ बनाएं। इसके अलावा दरवाजे के ऊपर भी लकड़ी से कैबिनेट बनवाएं। मेन गेट पर विभिन्न प्रकार के पौधों के गमले लगवा सकते है। घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है किचन। किचन की सजावट के लिए आप किचन के ड्रा को स्लाइड स्टाइल के बना सकते है। किचन में एक ऐसा अंडर शेल्फ बनवा सकते है जो आपके छोटे-मोटे बर्तनों को एजस्ट कर देता है और एक बटन दबाने पर खुल और बंद हो जाता है जिससे वे किचन को एक स्टालिश लुक तो देता ही है साथ ही जगह भी कम घेरता है। बाकी के शेल्फ दीवार से जुड़े बनवा ले, स्लाइड या शीशे वाले बर्तन रखने वाला ऐसा एजस्ट करवाए जिसमें पानी जमा ना हो पाए। यदि बाकया आपका किचन छोटा है तो आप उसे ऑपन किचन का भी लुक दे सकते है।

जिससे स्पेस के साथ डिनर टेबल भी वही लगा सकते है।

लिविंग रूम में बैठक के लिए आज बहुत सी वैराइटीज मार्केट में उपलब्ध है जिन्हें इस्तेमाल कर आप अपने घर के इस एरिया को भी एक बेहतरीन लुक प्रदान कर सकते है। ज्यादातर लोग वही पुरानी सोफा सेट स्टाइल लिविंग रूम में रखते है चूंकि वे काफी ऑल्ड फैशन हो गया है इसलिए आप उसकी जगह फोल्डिड सोफा सेट या सोफा विथ बेड रख सकते है। इससे टू-इन-वन काम हो जाता है। मेहमान कभी भी घर आ जाते है उनके लिए अपना रूम छोड़ना पड़ जाता है लेकिन अब आपको अपना रूम छोड़ना भी पड़े तो आप भी आराम से सो सकते है और जब सुबह होगी तो उसे फोल्ड कर सकते है। साथ ही लकड़ी का साइड टेबल भी बनवा सकते है उसपर फूलदान या डिजिटल फोटो फेम और स्टेचु भी रख सकते है। लिविंग रूम में सोफें के साथ चाय, कॉफी, स्नैक के लिए लकड़ी का स्टालिश टेबल या शीशें का टेबल भी रख सकते है। ●●●

ताकि न फैलाना पड़े किसी के आगे हाथ

एक समय था जब महिलाएं आर्थिक जरूरतों के लिए अपने पति पर निर्भर रहती थीं। छोटी-मोटी हर जरूरत के लिए पति के आगे हाथ फैलाना पड़ता था। पति ने इनकार कर दिया तो मन मसोस कर रह जाना पड़ता था। उनके पास न तो कोई जमा-पूंजी होती थी और न ही कोई रिटायरमेंट प्लान। ऐसे में अगर पति की मृत्यु हो जाए तो उसे अपना भरण-पोषण करना मुश्किल लगने लगता था। पढ़ी-लिखी होने पर भी महिलाओं को बाहर जाकर काम कर आत्मनिर्भर बनने की आजादी नहीं थी। मगर समय के साथ महिलाएं पढ़-लिख कर कम उम्र में ही आर्थिक रूप से निर्भर हो रही हैं। महिलाओं के शिक्षित होने के बाद उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और नौकरी कर वे परिवार का सहारा बन रही हैं। बात अगर इन्वेस्टमेंट की हो, तो हमेशा महिलाएं पीछे ही रही हैं। मगर अब हालात बदल रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा महिलाएं आत्मनिर्भर होने के कारण और देर से शादी करने के कारण इन्वेस्टमेंट में दिलचस्पी लेने लगी हैं। 14 शहरों में जुलाई 2013 में किए गए एक सर्वे के मुताबिक लगभग 25 फीसद कामकाजी महिलाएं अपनी जमापूंजी का फैसला स्वयं लेती हैं। मगर अकेली कामकाजी महिलाओं की संख्या 18 फीसद से भी कम है। महिलाएं हमेशा अपने भविष्य को लेकर लापरवाह रही हैं। परिवार की जरूरतें पहले और उनका भविष्य बाद में, ऐसी ही उनकी हमेशा से सोच रही है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण यह काम और भी मुश्किल हो जाता है। कामकाजी महिलाएं तो फिर भी थोड़ा-बहुत जमा कर लेती हैं। मगर घरेलू महिलाएं तो इस बारे में सोचती भी नहीं हैं वह आर्थिक रूप से पूरी तरह अपने पति पर निर्भर होती हैं। महिलाओं को अपनी सेविंग्स को लेकर हमेशा सजग रहना चाहिए। अब तो कई ऐसे प्लान हैं जिसमें इनवेस्ट किया जा सकता है। अगर आपको दुनिया घूमने का शोक हैं तो इसके लिए भी प्लान तैयार हैं। सिंगल वूमन जिनके बच्चे नहीं वे अपना पैसा गाड़ी खरीदने, घर बनाने और अपने माता-पिता की देखभाल में लगाती हैं, उन्हें भी भविष्य की प्लानिंग करनी चाहिए। शादी के

बाद अक्सर पति या ससुराल वालों के न चाहने पर महिलाओं को घर की देखभाल व अपने बच्चों के लिए भी नौकरी छोड़नी पड़ती है। ऐसे में रिटायरमेंट प्लान इनके बहुत काम आता है। कामकाजी महिलाएं थोड़ा बहुत इस प्लान के बारे में सोचती भी हैं पर घरेलू महिलाएं तो सोचती भी नहीं। जबकि उन्हें इस पर ज्यादा सोचने की जरूरत है। अचानक अगर ऐसी-वैसी कोई बात हो जाए तो वे अकेले अपने परिवार को आर्थिक सहायता तो दे सकती हैं। महिलाएं चाहें तो कई तरह के प्लान में अपनी जमापूंजी फिक्सड डिपाजिट, प्रोविडेंट फंट, इक्यूटी और डेब्ट म्यूच्युल फंड के अलावा भी कई जगह इन्वेस्ट कर सकती हैं। अपने स्वास्थ्य को लेकर भी महिलाएं हमेशा लापरवाह होती हैं। ऐसे में हेल्थ इनश्योरेंस उनके लिए बड़ा सहारा बन सकता है। एक सर्वे के मुताबिक 2013 में 38 फीसद महिलाएं हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग हुई है। महिलाएं हेल्थ के साथ-साथ मेडिकल बीमा से मैटरनिटी लाभ भी ले सकती हैं। महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी का मतलब सिर्फ पैसे कमाना नहीं बल्कि अपने पैसे का सही इस्तेमाल करना भी हैं। अपने व अपने परिवार के लिए। ज्यादा से ज्यादा महिलाएं स्वतंत्र रूप से धनोपर्जन कर रही हैं पर साथ ही तलाक के मामले भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में उनके पास इन्वेस्टमेंट के अलावा और कोई विकल्प नहीं होता। महिलाओं के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि अपनी जमा-पूंजी को कैसे सुरक्षित रखें ताकि सालों तक काम आता रहे। साथ में इस बात का भी ख्याल रखें कि परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिले। रिटायर होने के बाद जिंदगी सुगम हो, स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूकता हो, यह कब काम बेहद ही समझदारी से करें और सही जगह अपने पैसे निवेश करें। आर्थिक रूप से सबल होना और उस पर आपका कंट्रोल होना महिलाओं के लिए सबसे बड़ा हथियार है। इसका इस्तेमाल करें और नियोजित ढंग से करें।

सभी प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है मौजूद दिल्ली में

विनिता झा

विदेश से कई तादादों में लोग भारत घुमने आते हैं और वे भी खासकर दिल्ली। चूंकि दिल्ली भारत की राजधानी ही नहीं पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र भी है। राजधानी होने के कारण भारतीय सरकार के अनेक कार्यालय, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन आदि अनेक आधुनिक स्थापत्य के नमूने तो यहां देखे ही जा सकते हैं साथ ही लगभग सभी धर्मों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल यहां हैं बिरला मंदिर, बंगला साहब का गुरुद्वारा, बहाई मंदिर आदि भी मौजूद हैं, जिनमें से निम्न है:-

छतरपुर मंदिर

छतरपुर मंदिर दिल्ली के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में एक है। छतरपुर मंदिर सफेद संगमरमर से बना हुआ है और इसकी सजावट बहुत की आकर्षक है। दक्षिण भारतीय शैली में बना यह मंदिर विशाल क्षेत्र में फैला है। मंदिर परिसर में खूबसूरत लॉन और बगीचे हैं। मूल रूप से यह मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है। इसके अतिरिक्त यहां भगवान शिव, विष्णु, देवी लक्ष्मी, हनुमान, भगवान गणेश और राम आदि देवी-देवताओं के मंदिर भी हैं। लोगों का मानना है कि ऐसा करने से मनोकामना पूर्ण होती है।

लक्ष्मी नारायण मंदिर

लक्ष्मी नारायण मंदिर बिड़ला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को समर्पित यह मंदिर दिल्ली के प्रमुख मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण 1938 में हुआ था और इसका उद्घाटन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था। बिड़ला मंदिर अपने यहां मनाई जाने वाली जन्माष्टमी के लिए भी प्रसिद्ध है। यह मंदिर मूल रूप में 1622 में वीर सिंह देव ने बनवाया था, उसके बाद पृथ्वी सिंह ने 1793 में इसका जीर्णोद्धार कराया। सन् 1938 में भारत के बड़े औद्योगिक परिवार, बिड़ला समूह ने इसका विस्तार और पुनरोद्धार कराया।

गुरुद्वारा बंगला साहिब

गुरु हरिकिशन साहिब को समर्पित यह गुरुद्वारा सिक्खों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। गुरु हरि किशन सिक्खों के आठवें गुरु थे। कहा जाता है कि उनके दिल्ली प्रवास के दौरान यहां महामारी फैल गई थी। उस समय गुरु हरि किशन ने बिना किसी भेदभाव के गरीब और असहाय लोगों की सेवा की। गुरुद्वार के परिसर में एक माध्यमिक स्कूल, संग्रहालय, किताबों की दुकान, पुस्तकालय, अस्पताल और एक पवित्र तालाब भी है। देश-विदेश से श्रद्धालुओं का यहां आना जाना लगा रहता है।

बहाई मंदिर

कालकाजी मंदिर के पीछे स्थित है बहाई प्रार्थना केंद्र जिसे लोटस टैंपल या कमल मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर एशिया महाद्वीप में बना एकमात्र बहाई प्रार्थना केंद्र है। भारत के अलावा पनामा, कंपाला, इल्लिनॉइस, फ्रैंकफर्ट, सिडनी और वेस्ट समोआ में इसके केंद्र हैं। ये सभी केंद्र बहाई आस्था के प्रतीक हैं और अपने अद्वितीय वास्तु शिल्प के लिए प्रसिद्ध हैं। 26 एकड़ में फैले इस मंदिर का निर्माण 1980 से 1986 के बीच हुआ था। तालाब और बगीचों के बीच यह मंदिर ऐसे लगता है जसे पानी में कमल तैर रहा हो। इसका डिजाइन फरीबर्ज सभा ने बनाया था। कमल भारत की सर्वधर्म समभाव की संस्कृति को दर्शाता है। मंदिर के प्रार्थना हॉल में कोई मूर्ति नहीं है। किसी भी धर्म के अनुयायी यहां आकर ध्यान लगा सकते हैं।

काली बाड़ी मंदिर

बिड़ला मंदिर के पास ही काली बाड़ी मंदिर स्थित है। यह छोटा-सा मंदिर काली मां को समर्पित है। नवरात्रि के दौरान यहां भव्य समारोह आयोजित किया जाता है। काली मां को देवी दुर्गा का ही रौद्र रूप माना जाता है। काली बाड़ी मंदिर दिखने में छोटा और साधारण अवश्य है लेकिन इसकी मान्यता बहुत अधिक है। मंदिर के अंदर ही एक विशाल पीपल का पेड़ है। भक्तगण इस पेड़ को पवित्र मानते हैं और इस पर लाल धागा बांध कर मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना करते हैं।

दिगंबर जैन मंदिर

दिल्ली का सबसे पुराना जैन मंदिर लाल किला और चांदनी चौक के सामने स्थित है। इसका निर्माण 1526 में हुआ। वर्तमान में इसकी इमारत लाल पत्थरों की बनी है। इसलिए यह लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यहां जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की प्रतिमा भी स्थाकपित है। जैन धर्म के अनुयायियों के बीच यह स्थान बहुत लोकप्रिय है। यहां का शांत वातावरण लोगों का अपनी ओर खींचता है।

कालकाजी मंदिर

प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर, भारत में सबसे अधिक भ्रमण किये जाने वाले प्राचीन एवं श्रद्धेय मंदिरों में से एक है। यह दिल्ली में नेहरू प्लेस के पास कालकाजी में स्थित है। यह मंदिर मां दुर्गा की एक अवतार, देवी काली को समर्पित है। यह मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से भी जाना जाता है। मनोकामना का अर्थ है कि यहां भक्तों की सारी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। इस मंदिर के पीछे की पौराणिक कथा भी बहुत रोचक है। ऐसा कहा है कि देवी काली का जन्म देवी पार्वती से हुआ था, जो राक्षसों की बड़ी संख्या से अन्य देवताओं की रक्षा करना चाहती थी। देवी ने यहां निवास के रूप में जगह ली और इस प्रकार यह स्थान एक मंदिर के रूप में उभरा। यह मंदिर ईटों की चिनाई द्वारा बनाया गया था परन्तु वर्तमान में यह संगमरमर से सजा है एवं यह चारों ओर से पिरामिड के आकार वाले स्तंभ से घिरा हुआ है। मंदिर का गर्भगृह 12 तरफ है जिसमें प्रत्येक पक्ष पर संगमरमर से सुसज्जित एक प्रशस्त गलियारा है। यहां गर्भगृह को चारों तरफ से घेरे हुए एक बरामदा है जिसमें 36 धनुषाकार मार्ग हैं। हालांकि मंदिर में रोज पूजा होती है पर नवरात्री के त्यौहार के दौरान मंदिर में उत्सव का माहौल होता है। नवरात्री का त्यौहार वर्ष में दो बार आता है। इस दौरान भक्त यहां एकत्रित होते हैं एवं देवी दुर्गा की स्तुति में भजन गाते हैं। इस मंदिर के पास के मुख्य आकर्षण लोटस टेम्पल एवं इस्कॉन मंदिर हैं।

जामा मस्जिद

लाल किले से महज 500 मी। की दूरी पर जामा मस्जिद स्थित है जो भारत की सबसे बड़ी मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1650 में शाहजहां ने शुरु करवाया था। बहुआ पत्थर और सफेद संगमरमर से निर्मित इस मस्जिद में उत्तर और दक्षिण द्वारों से प्रवेश किया जा सकता है। पूर्वी द्वार केवल शुक्रवार को ही खुलता है। इसके बार में कहा जाता है कि सुल्तान इसी द्वार का प्रयोग करते थे। इसका प्रार्थना गृह बहुत ही सुंदर है। इसमें ग्यारह मेहराब हैं जिसमें बीच वाला महराब अन्य से कुछ बड़ा है। इसके ऊपर बने गुंबदों को सफेद और काले संगमरमर से सजाया गया है जो निजामुद्दीन दरगाह की याद दिलाते हैं।

खिड़की मस्जिद

इस मस्जिद का निर्माण फिरोज शाह तुगलक के प्रधानमंत्री खान-ई-जहान जुनैन शाह ने 1380 में करवाया था। मस्जिद के अंदर बनी खूबसूरत खिड़कियों के कारण इसका नाम खिड़की मस्जिद पड़ा। यह मस्जिद दो मंजिला है। मस्जिद के चारों कोनों पर बुर्ज बने हैं जो इसे किले का रूप देते हैं। तीन दरवाजों पर मीनारें बनी हैं। पुराने समय में पूर्वी द्वार से प्रवेश किया जाता था लेकिन अब दक्षिण द्वार पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है।

फतेहपुरी मस्जिद

फतेहपुरी मस्जिद चांदनी चौक की पुरानी गली के पश्चिमी छोर पर स्थित है। इसका निर्माण मुगल बादशाह शाहजहां की पत्नी फतेहपुरी बेगम ने 1650 में करवाया था। उन्हीं के नाम पर इसका नाम फतेहपुरी मस्जिद पड़ा। लाल पत्थरों से बनी यह मस्जिद मुगल वास्तुकला का एक बेहतरीन नमूना है। मस्जिद के दोनों ओर लाल पत्थर से बने स्तंभों की कतारें हैं। इस मस्जिद में एक कुंड भी है जो सफेद संगमरमर से बना है। यह मस्जिद कई धार्मिक वाद-विवाद की गवाह रही है। दिल्ली है दिलवालों इसलिए यहां की इमारतें भी दिल से बनाई हुई इसलिए यह इतनी खुबसुरत और शानदार है। लोग इसे जितनी बार भी क्यों ना देख लें लेकिन देखने वालों का मन कभी नहीं भरता। वो कहते है स्वादिष्ट खाने को कितना भी खा लो पेट तो भर जाता है लेकिन मन नहीं भरता बस वही बात हमारी दिल्ली की इन खुबसुरत जगहों की हैं। ●●●

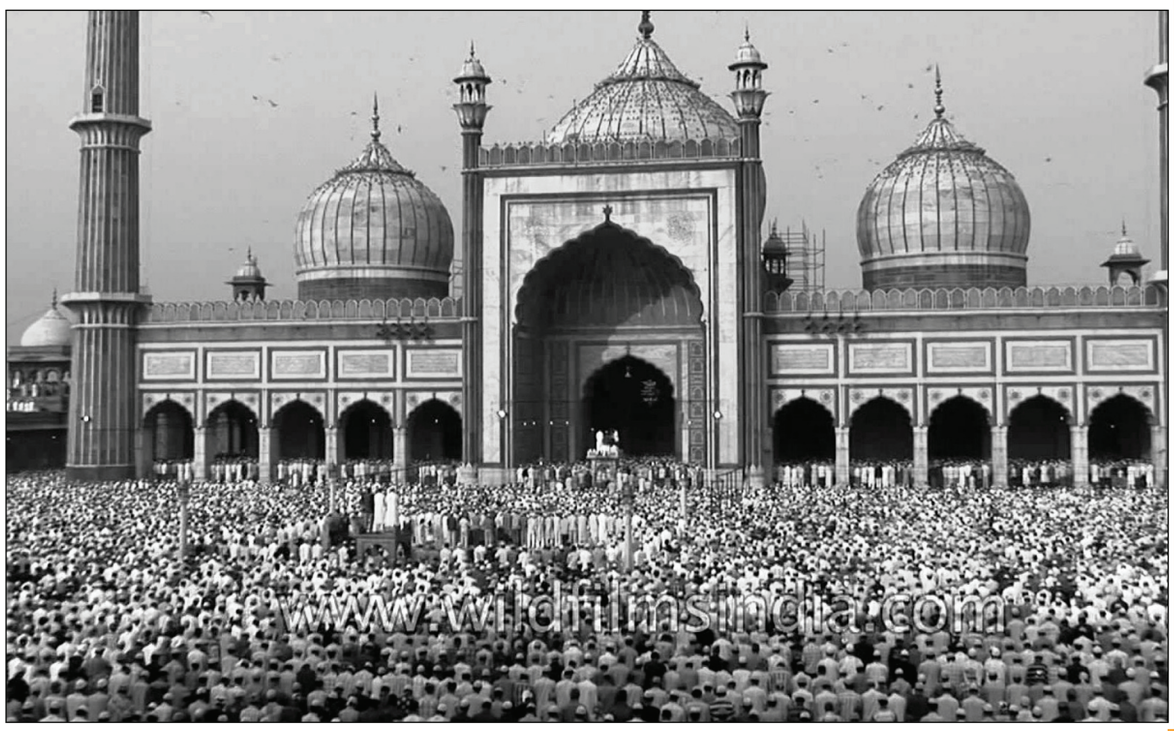

अखिल भारतीय किसान सभा के मांग दिवस पर किया धरना प्रदर्शन, दिया अल्टीमेटम

प्रखर गाजीपुर। अखिल भारतीय किसान सभा के मांग दिवस के अवसर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने, मृत किसानों को मुआवजा देने, जेल में बन्द किसानो को

रिहा करने,मुकदमे वापस लेने के साथ ही गाजीपुर को सूखाग्रस्त घोषित करने,नहरों में टेल तक पानी छोड़ने,बिजली बिल वापस लेने,60 वर्ष से ऊपर के लोगों को 10000 रुपये प्रति महीने पेंशन देने,आदि मांगो को लेकर जिला इकाई की ओर से सरजू पांडेय पार्क में धरना दिया गया। इस मौके पर धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार किसानों के सवालों को हल करने को तैयार नही है। इस देश मे किसानों ने जब सड़क पर उतर कर संघर्ष किया। जिसमें ?750 किसानों ने शहादत दी तब सरकार को मजबूर होकर झुकना पड़ा। किसान सभा ने घोषणा किया कि यदि मांगे नही मानी गई तो तीखा संघर्ष करना होगा। इस अवसर पर किसान सभा की कॉउंसिल बैठक में,24 सितंबर को पूर्व विधायक जयराम सिंह की पुण्यतिथि,28 को मुहम्मदाबाद, 29 को कासिमाबाद, 1अक्टूबर को बाराचवर,2 को सदर,4 को मरदह,7को देवकली,8 को जखनिया,10 को बिरनो,14 अक्टूबर कोभंवरकोल ब्लॉक कमेटियों की बैठके, तथा 11 अक्टूबर को इकबाल अहमद की पुण्यतिथि,12 को महेशपुर चट्टी पर सभा,15 अक्टूबर कोगंगौली में जनसभा करने का निर्णय लिया गया। धरने को प्रमुख रूप से किसान सभा के प्रांतीय महामंत्री राजेन्द्र यादव, राजदेव यादव, अशोक मिश्र, अमेरिका सिंह यादव ,रामअवध, डॉक्टर रामबदन सिंह,ईश्वरलाल गुप्ता, रामबदन यादव,रविन्द्र कुशवाहा, भूपनारायण यादव दिन सिंह, घूरा यादव, सुरेंद्र राम, राम केर, भृगु मास्टर आदि ने संबोधित किया। अद्यक्षता जिलाध्यक्ष जनार्दन राम एवं संचालन अखिलेश राय ने किया।

दुर्गा मंदिर पर कजरहवा मेला का ग्रामीणों ने उठाया लुत्फ

प्रखर अहरौरा,मिजार्पुर। क्षेत्र के पट्टी कला वार्ड में स्थित दुर्गा मंदिर पर गुरूवार को ऋषि पंचमी के अवसर पर परंपरानुसार प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी शाम चार बजे से लगने वाले कजरहवा मेला में गुरूवार देर शाम तक अगल बगल गांवों के हजारों ग्रामीणों ने आराध्य देवी मां दुर्गा का दर्शन पूजन किया। इसके बाद मेले आए हुए लोगो ने मेले में लगी दुकानों से जलेबी,पकौड़ी, चाट व मिठाई की खरीददारी की गई। बच्चों ने खिलौने आदि खरीदकर मेले का लुत्फ उठाया। इस दौरान पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से मुस्तैद नजर आई।

चंदौली जिले में भी हो रही है गणेश चतुर्थी पूजा, सज गए हैं पंडाल

प्रखर चन्दौली। अलीनगर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पंडालों और घरों में मूर्तियां स्थापित होंगी। वहीं, सेवा और धार्मिक समितियों की ओर से गणेशोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। नगर में गणेश चतुर्थी को लेकर मंगलवार से ही धूम दिखने लगी। देर शाम तक पंडालों में गजानन को लाया गया। ढोल की थाप पर पूरे उत्साह के साथ कार्यकताओं ने गजानन का स्वागत किया। जगह-जगह पंडालों में रात से ही गणेश चतुर्थी की धूम शुरू हो गई। बुधवार को पूरे विधि विधान के साथ गजानन की पूजा अर्चना कर उन्हें स्थापित किया जाएगा। वहीं क्षेत्र के अलीनगर, पचपेड़वा, आलमपुर, सरेसर आदि जगहों पर रोजाना

विभिन्न प्रकार की बच्चों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। कहीं भजन संध्या का आयोजन होगा तो कहीं जादूगर अपने जादू से बच्चों को आकर्षित करेगा। वहीं कोविड महामारी के बाद इस वर्ष गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा। बुधवार से 10 दिन के लिए पंडाल में गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय रस्तोगी, सभासद प्रतिनिधि शिव शंकर शर्मा, राजू गुप्ता, प्रकाश यादव, मनोज यादव, संतोष मोदनवाल, संतोष गोड़, मनीष निगम, मनीष गुप्ता, संतोष सेठ, विक्की रस्तोगी, पप्पू गुप्ता, रमेश शर्मा आदि मौजूद थे।

इरी-सार्क के वैज्ञानिको ने धान की नई और उन्नत प्रजातिओं का किया निरीक्षण

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद स्थानीय क्षेत्र के कल्लीपुर व नागेपुर ग्राम मे अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय केंद्र, (इरी-सार्क) वाराणसी और कृषि विज्ञान केंद्र वाराणसी तथा एसएचडीए संस्था की टीम ने किसानों द्वारा परीक्षण के रूप में लगाए गए धान की नई और उन्नत किस्म की प्रजातिओं का निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र रघुवंशी, डॉ. अमितेश सिंह, डॉ. राहुल सिंह तथा श्री राणा पियूष के अलावा इरी-सार्क के डॉ. सर्वेश शुक्ला, रबीन्द्र महाराणा एवं एसएचडीए संस्था के सदस्य अभय तिवारी तथा गौरव शर्मा भी मौजूद रहे। कृषि वैज्ञानिको ने किसानो के खेत में लगी विभिन्न प्रजातिओं का निरीक्षण करते हुए वहाँ पर उपस्थित किसानों को धान की उन्नत प्रजातिओं की विशेषिताओं को बताने के साथ ही धान में लगने वाले प्रमुख रोग और कीट अदि से रोकथाम के बारे में भी महत्वपूर्ण

जानकारी प्रदान की। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.नरेंद्र रघुवंशी ने किसानों को आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त प्रजातिओं का बीज तैयार कर इस क्षेत्र के किसानों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। इरी और केवीके टीम ने कृषि विज्ञान केंद्र के फसल कैफेटेरिया में लगी हुई २६ उन्नत किस्म की विभिन्न प्रजातिओं का भी निरीक्षण किया। अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के निदेशक डॉक्टर शुधांसु सिंह के नेतृत्व में बीज प्रणाली और उत्पाद प्रबंधन विभाग के तत्वाधान में संचालित कार्यक्रम, एग्री परियोजना के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वाति नायक और वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. कुन्तल दास के मार्गदर्शन में जनपद वाराणसी में विभिन्न प्रजातिओं के कई प्रक्षेत्र परिक्षण विभिन्न इलाकों में क्रियान्वित किए जा रहे हैं इन परीक्षणों का मुख्या उद्देश्य जनपद के कृषि जलवायु के अनुकूल उचित प्रजातिओं का आंकलन करना है जिससे कि धान के उत्पादन को अधिक से अधिक बढ़ाया जा सके।

चोलापुर के नियार से मदिर का आरती पात्र चोरी-चोरी की वारदात सीसी कैमरे में कैद

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थानान्तर्गत नियार स्थित हनुमान मंदिर से आरती करने वाली सामग्री चोरी हो गया चोरी करने वाला व्यक्ति सीसी कैमरे में कैद हो गया है .मदिर के पुजारी की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है .चोरी के वारदात का विडिओ सोशल पर वाइरल हो रहा है . सोशल साइट्स पर वाइरल विडिओ और मदिर के पुजारी महातिम जी के अनुसार हनुमान मंदिर के आरती पात्र और दान पेटी मे रखी नगदी चुरा ले गये.

पुजा स्थल में दस दिन में तीसरी घटना – दानगंज. चोलापुर थानाध्यक्ष अजगरा चौकी के रजला और नियार गांव की तीसरी घटना है जिसके कारण गामीण मे प्रशासन के प्रति नाराजगी व्याप्त है . दस दिन पूर्व बगल के गांव रजला मे शिव मंदिर मे आपत्तिजनक वस्तु रखा गया ,शुद्धीकरण के दौरान ही कुछ दूर पर स्थित काली मंदिर की प्रतिमा खंडित मिली और आज नियार के हनुमान मंदिर मे चोरो ने आरती पात्र चुरा ले गये . अजगरा चौकी प्रभारी उमेश राय के अनुसार पुलिस आरोपी सन्धित विक्षिप्त युवक की फोटो और पप्पलेत क्षेत मे चिपकवा रही है जल्द ही पुलिस गिरफ्तार कर लेगी हनुमान मंदिर मे हुई चोरी की जांच की जा रही है।

श्री मनोकामनापूर्ण हनुमान मंदिर पर विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। बुधवार को रोहनिया के भदवर बाईपास स्थित श्री मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर प्रांगण में हर साल की भांति इस वर्ष भी राम चरित मानस का पाठ किया गया। मंदिर प्रांगण में पूजा पाठ होने के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण में आए हुए लगभग हजारों की संख्या में सभी भक्तों ने भंडारे के प्रसाद का आनंद लिया। कार्यक्रम के व्यवस्थापक पंडित बलदाऊ दुबे ने बताया कि हर साल की भांति इस वर्ष भी हम सभी लोगों ने राम चरित मानस का पाठ करके भव्य भंडारे का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से पंडित बलदाऊ दुबे, शिव नारायण दुबे, रामआसरे दुबे, गोपाल दुबे, त्रिलोकी नाथ दुबे, अभिषेक दुबे उर्फ शिवम के अलावा आदि खेत के लोगों का भरपूर सहयोग रहा।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। सृजन के मिशन एक करोड़ पौधा रोपण के तहत आज दिनांक 1 सितंबर 2022 को श्री सौरभ श्रीवास्तव विधायक कैंट के सानिध्य में श्री सुरेंद्र चौधरी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेंज चंदौली के मार्गदर्शन में श्री अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय पुलिस बल के नेतृत्व में गांधीनगर पार्क नरिया, रोहित नगर पार्क, साकेत नगर पार्क नंबर दो वाराणसी में 501 पौधे लगाए गए जिसमे जामुन, अर्जुन, नीम, अमल ताश, मोल श्री, गुल मोहर, अशोक, आवला आदि के पौधे लगाये गये इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कालिका सिंह निदेशक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वाराणसी मंडल थे मुख्य अतिथि ने सभी को अपने जन्म दिन और शुभ अवसरों पर एक एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया एवं उसे संरक्षित करने के लिए बताया। विशिष्ट अतिथि श्री महेंद्र मिश्रा उप कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस

बल थे। संचालन एवं संयोजन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के हरीतिमा के अग्रदूत अनिल कुमार सिंह के मिशन 10000000 पौधरोपण के तहत यह कार्यक्रम आगे बढ़ाया गया, श्री अनिल कुमार सिंह ने वहां पर उपस्थित सभी लोगों को पौधरोपण एवं उसका संरक्षण करने के लिए शपथ दिलाएं। इस कार्यक्रम में राजीव सिंह भारतीय जनता पार्टी, 95 बटालियन के निरीक्षक वेद प्रकाश त्रिपाठी,प्रवीण सिंह साथ में तमाम जवानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

किसान-वैज्ञानिक समूह चर्चा के दौरान रजनीश सिंह को मिला किसान वैज्ञानिक सम्मान

प्रखर केराकत जौनपुर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह के संरक्षण एवं निदेशक प्रसार प्रो.ए.पी.राव के कुशल मार्गदर्शन में संचालित कृषि विज्ञान केंद्र अमिहीत जौनपुर पर गुरुवार को दोपहर किसान-वैज्ञानिक समूह चर्चा का आयोजन किया। चर्चा के दौरान केन्द्र वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ संजीत कुमार ने प्रतिभागी किसानों, वैज्ञानिकों एवं मुख्य अतिथि प्रगतिशील किसान वैज्ञानिक रजनीश सिंह का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुये किसान-वैज्ञानिक चर्चा का आरम्भ किया। वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच खेती बाड़ी के ज्वलन्त मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही साथ खेती बाड़ी की आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक को कृषि क्षेत्र में अपनानें हेतू किसानों से अपील की गयीं। डॉ संजीत कुमार ने कहा ने कि वर्तमान में किसान भाई जलवायु परिवर्तन को दृष्टिगत रखते हुये खेती-बाड़ी से जुड़े विभिन्न व्यवसायों को अपनाये। जिसके लिये एकीकृत कृषि प्रणाली एक सँयुक्त विकल्प है। केंद्राध्यक्ष ने सभी वैज्ञानिकों एवं किसान भाईयों ने

एकीकृत कृषि प्रणाली के विभिन्न आयामो जैसे पसलोत्पादन, सब्जी उत्पादन, फलों की खेती, औषधीय फसलों तथा मसालों की खेती, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, मछ्ली पालन, बत्तख पालन, मुर्गी पालन आदि के प्राकृतिक, परम्परागत, एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर विस्तृत चर्चा की गयी। प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ विजय कुमार सिंह ने कम लागत से प्रक्षेत्र प्रबन्ध, फसलों में सिंचाई एवं जल निकास प्रबन्धन, प्रतिकूल मौसम में फसल पोषण प्रबधन, आदि पर विस्तृत चर्चा किया। पादप रोग वैज्ञानिक डॉ संदीप कुमार ने खरीफ फसलों में रोगों एवं कीटों नियंत्रण, मशरूम उत्पादन, ऑयस्टर मशरुम के विभिन्न उत्पाद का तैयार करना तथा उनका विपणन पर विस्तृत जानकारी साझा किया। कृषि वानिकी वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार ने एकीकृत कृषि प्रणाली में सह फसली जैसे की सब्जी की खेती हल्दी लहसुन, प्याज, की खेती पर वैज्ञानिक चर्चा की। इसी क्रम सस्य वैज्ञानिक डॉ संजय कुमार ने रिले क्रॉपिंग अपनाकर बहुफसली खेती तथा खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण एवं प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तृत चर्चा की। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ अमित कुमार सिंह ने एकीकृत प्रणाली में पशुपालन के महत्व व बकरी पालन पर विशेष चर्चा की गयी। वही बैठक में प्रगतिशील किसान मुकेश सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली में अपना अनुभव साझा किया। किसान वैज्ञानिक रजनीश सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने प्रक्षेत्र पर एकीकृत प्रणाली अपनाकर अपनी आय में कई गुना इजाफा किया। वही बैठक में किसान वैज्ञानिक समूह चर्चा के समापन पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ संजीत कुमार ने किसान वैज्ञानिक रजनीश सिंह को सम्मानित करते हुये निजी स्त्रोतों से एक हजार एक सौ ग्यारह रुपये का रेखांकित चैक प्रदान किया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान कृष्णा कुमार, मुन्ना गिरी, अमित सिंह, मुकेश सिंह, प्रदीप यादव, धीरज कुमार, विश्वजीत सिंह आदि कर्मचारी उपस्थिति रहे।

गणेश चतुर्थी के दिन कुश्ती दंगल का आयोजन

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्र के कौडिया कला गांव में दुर्गा जी मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के दिन कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से नामी गिरामी पहलवानों ने भाग लिया, नरसिंह पहलवान और इम्तियाज पहलवान के बीच में दस हजार का इनामी दंगल बराबरी पर छूटा, वही गोपी पहलवान ने अपने निकटतम पहलवान को पटकनी देकर चार हजार की कुश्ती अपने नाम की। दंगल प्रतियोगिता को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे , कुश्ती दंगल का आयोजन क्षेत्र पंचायत सदस्य जुम्मन मियां के द्वारा किया गया था। रेफरी की भूमिका में क्षेत्र के मशहूर पहलवान स्वर्गीय जय नाथ सिंह के पुत्र डॉ नाहर सिंह ने निभाई। प्रत्येक वर्ष होने वाला यह कुश्ती दंगल सन 1962 से लगातार होता चला आ रहा है इस कुश्ती को शुरू कराने में अहम भूमिका क्षेत्र के जाने-माने मशहूर पहलवान स्व, बाबू जयनाथ सिंह ने निभाई जब तक जीवित रहे तब तक रेफरी की

भूमिका निभाते हुए कुश्ती को संपन्न कराते रहें, उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र डॉ नाहर सिंह पहलवान रेफरी की भूमिका निभाते चले आ रहे है, कुश्ती का आयोजन ग्रामसभा के माध्यम से होता है दंगल के समीप पूरे मंदिर परिसर में मेले का आयोजन होता है। जिसमें कौड़िया कला गांव समेत आसपास के गांव के लोग उपस्थित होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहद क्षेत्राधिकारी गौरव शर्मा के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन पर प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक नान्हू यादव द्वारा मय हमराह पुलिस बल के साथ भौरा मोड वहद ग्राम अकबरपुर के पास से अभियुक्त अखिलेश यादव उर्फ बुझारत यादव पुत्र रामसिंगार यादव निवासी मुरलीपुर को 900 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गुरुवार की रात्रि पौने नौ बजे गिरफ्तार कर बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेजा ।गिरफ्तार करने वाली टीम से प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा,उपनिरीक्षक नान्हू यादव, हे0का0सुनील यादव, व के0 रामजी यादव मौजूद रहे।

सीएमओ ने केराकत सामुदायिक केंद्र का किया औचक निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर में स्थिति सामुदायिक केन्द्र में गुरुवार की सुबह सीएमओ लक्ष्मी सिंह ने औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मौजूद सभी वार्डो में जाकर सुविधाओ की जांच पड़ताल की ।सामूदायिक केंद्र के आस पास फैली गंदगी को देख अपनी नाराजगी जताते हुए तत्काल साफ सफाई करने के निर्देश दिये अचानक सीएमओ के औचक निरीक्षण से कुछ समय के लिए अस्पताल में हड़कंप मचा रहा।

चार दिवसीय निपुण भारत शिक्षक-प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का शुभारंभ

प्रखर मुफ़्तीगंज जौनपुर। स्थानीय विकासखंड मुफ्तीगंज के बाबा प्रसिद्ध नारायण महाविद्यालय बगथरी में निपुण भारत पर आधारित चार दिवसीय शिक्षक- प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षक रवि प्रताप राहुल, विकास कुमार सिंह, अखिलेश यादव, जयप्रकाश यादव और कमलेश खटवानी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान शालिनी गुप्ता, शैलेंद्र दुबे ,नीरज नागर, शिल्पी पाठक ,रीना देवी, संजय कुमार ,विशेष राय समेत विभिन्न विद्यालयों से आए हुए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बस में ऑटो भिड़ा, चालक समेत एक परिवार के तीन सदस्य घायल

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद क्षेत्र के भीखीपुर ग्राम स्थित काशी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के निकट हाइवे पर खड़े बस में एक अनियंत्रित ऑटो जा भिड़ा, जिसमें एक परिवार के 3 लोग व चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद मिजार्पुर के थाना सिटी कोतवाली अंतर्गत घंटाघर निवासी बाबू (50) अपने पत्नी नसीबा (45)व पुत्र सोनू (12) के साथ गुरुवार को ऑटो मे सवार हो मिजार्पुर से वाराणसी शादी के सिलसले में जा रहे थे कि भीखीपुर स्थित के.आई.टी के निकट ऑटो अनियंत्रित हो हाइवे पर खड़ी बस के पीछले हिस्से मे जा टकराया , दुर्घटना में ऑटो के परखच्चे उड़ गए, जिसमे ऑटो चालक मुन्ना लाल समेत तीनो सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुचे चौकी प्रभारी खजुरी रविकांत चौहान ने घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वही यातायात में बाधा बन रहे क्षतिग्रस्त वाहन को हटवा कर सुचारुरूप से यातायात को पुनः चालू करवाया।

स्पंदन गोमती रामसूरत वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा गणपति बप्पा की स्थापना धूमधाम से किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। स्पंदन गोमती रामसूरत वेल्फेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष विभु पांडे ने बड़े ही धूम- धाम से गणपति बप्पा की स्थापना की।अध्यक्ष विभु पांडे ने गणेश महोत्सव का वर्णन करते हुए यह बताया की हम जितना ज्यादा धर्म और आध्यात्म से जुड़ते है हमारे विचार उतने ही सात्विक होते है।और हमे जीवन मे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है संस्था के सहयोगी एवं छात्राओं ने ढ़ोल बाजे के साथ बटाऊबीर से गणेश जी की प्रतिमा के साथ गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए रामनगर चौक से होते हुए अपने निवास स्थान पर स्थापित करके बड़े हर्षोल्लास के साथ आरती पूजन किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं